शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 276 | गुवाहाटी | बुधवार, 13 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पेपर लीक : नीट परीक्षा रद्द, 22.79 लाख परीक्षार्थी दोबारा देंगे परीक्षा — पेज 2
एकनाथ शिंदे ने हिमंत को तीसरे कार्यकाल पर दी बधाई — पेज 3
प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व का प्रमाण : प्रेम रंजन पटेल — पेज 5
फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अर्जेंटीना की प्रारंभिक टीम घोषित, लियोनेल मेसी शामिल — पेज 7

मोय हिमंत विश्व शर्मा...

दूसरी बार सीएम बने डॉ. शर्मा

राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने दिलाई शपथ

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। हालांकि, असम में भाजपा के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लगातार तीसरी बार सरकार का गठन हुआ है। वर्ष 2016 में पहली बार भाजपा ने असम में सत्ता के शीर्ष पर पहुंचने में सफल हुई थी। गुवाहाटी के खानापारा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित भव्य समारोह में डॉ. शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा समेत राजग शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में शपथ ली। उनके साथ भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक रामेश्वर तेली और अजंता नेओग, असम गण परिषद (अगप) के अतुल बोरा और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के चरण बोडो ने मंत्री पद की शपथ ली। उल्लेखनीय है कि असम विधानसभा चुनाव 2026 में राजग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 126 सदस्यीय विधानसभा में 102 सीटों पर जीत हासिल की। इसमें भाजपा को 82 सीटें मिलीं, जबकि सहयोगी दलों अगप को 10 तथा बीपीएफ को 10 सीटों पर जीत हासिल करने में सफलता हासिल की। समारोह के दौरान पूरे राज्य से पहुंचे लाखों लोग जय श्रीराम, भारत माता की जय, वंदे मातरम, जय आई असम आदि के नारे लगाते रहे, जिससे पूरे माहौल में उत्साह देखा गया। समारोह में महिलाओं की भी बड़ी सख्या में मौजूदगी देखी गयी। भारी संख्या में पहुंचे लोगों की सुविधा के लिए पंडाल के अलग-अलग हिस्सों में बड़े-बड़े एलईडी डिस्प्ले लगाए गये थे। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, रामेश्वर तेली, अजंता नेओग तथा असम गण परिषद (अगप) विधायक अतुल बोरा ने असमिया भाषा में शपथ ग्रहण किया, जबकि बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के विधायक चरण बोडो ने बोडो भाषा में शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में आज मुख्यमंत्री सफेद धोती-कुर्ता एवं गले में असमिया गामोछा धारण कर -शेष पृष्ठ दो पर

दमदार रहा है मुख्यमंत्री हिमंत का राजनीतिक सफर

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री के रूप में मंगलवार को डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें शपथ दिलाई। उन्होंने दूसरी बार राज्य की कमान संभाली। इसके साथ असम में भाजपा की सरकार का तीसरा कार्यकाल शुरू हुआ है। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा जालुकबारी विधानसभा क्षेत्र से लगातार छह बार विधायक चुने गए हैं। डॉ. शर्मा साल 2001 से राज्य के जालुकबारी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। 2001, 2006 और 2011 में डॉ. शर्मा कांग्रेस की ओर से जालुकबारी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसके बाद 2016, 2021 और हाल ही में समाप्त 2026 के विधानसभा चुनाव में डॉ. शर्मा भाजपा की ओर से इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इससेपहले1996 में जालुकबारी विधानसभा क्षेत्र में असम गण परिषद (अगप) के भृगु कुमार फुकन के हाथों डॉ. हिमंत विश्व शर्मा हार गए थे। साल 2001 में भृगु कुमार फुकन को हराकरउन्होंने न केवल राजनीतिक बदला पूरा किया बल्कि इस जीत के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उल्लेखनीय है कि 1985 में कामरूप एकेडमी से मैट्रिक पास करने के बाद डॉ. शर्मा ने उच्च शिक्षा के लिए कॉटन कॉलेज में नामांकन कराया। वह 1991-92 में कॉटन कॉलेज -शेष पृष्ठ दो पर

बहुत खुशी का पल : रिनिकी

गुवाहाटी। दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री बने हिमंत विश्व शर्मा के परिवार के सदस्य एनडीए नेतृत्व वाली राज्य सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे। शर्मा की पत्नी और बेटी ने इस अवसर को बेहद खास बताया और राज्य में एनडीए सरकार के दूसरे कार्यकाल पर खुशी और गर्व जताया। उन्होंने इसे *खुशी का पल* करार दिया। बातचीत में मुख्यमंत्री बने -शेष पृष्ठ दो पर

तीसरी बार राजग सरकार बनने पर प्रधानमंत्री ने हिमंत विश्व शर्मा को दी बधाई

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असम में लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के गठन पर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हिमंत शर्मा ने एक कुशल प्रशासक के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई है और राज्य के विकास के लिए कई परिवर्तनकारी कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि असम के लिए आज एक विशेष दिन है। लगातार तीसरी बार राजग सरकार ने सत्ता संभाली है। मैं डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को पदभार ग्रहण करने पर बधाई देता हूं। उन्होंने एक उत्कृष्ट प्रशासक के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है और राज्य के लिए कई अग्रणी कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले कार्यकाल के लिए उनकी शुभकामनाएं मुख्यमंत्री के साथ हैं। प्रधानमंत्री ने असम सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने वाले रामेश्वर तेली, अतुल बोरा, चरण बोड़ो और अजंता नियोग को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

असम संग नई पार्टनरशिप को यूएस तैयार : सर्जियो गोर

गुवाहाटी। सर्जियो गोर ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका असम के साथ सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करने के लिए काम करेगा, और दोनों पक्षों को लाभ पहुंचाने वाली वाणिज्यिक साझेदारियों के विस्तार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। गोर गुवाहाटी में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने आए थे, जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी के पहले नेता और राज्य में लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बनकर राजनीतिक इतिहास रचा है। -शेष पृष्ठ दो पर

असम के लिए लगभग दो लाख करोड़ रुपए की परियोजनाएं : गडकरी

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्गमंत्री नितिन गडकरी ने आज यहां कहा कि असम में लगभग दो लाख करोड़ रुपए की आधारभूत संरचना परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार राज्य के लोगों के भरोसे पर पूरी तरह खरी उतरेगी और विकास की गति को और तेज करेगी। मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए गुवाहाटी पहुंचे गडकरी ने संवाददाताओं से कहा कि असम की जनता ने लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि राज्य में विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे और केंद्र सरकार असम को आर्थिक रूप से और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। गडकरी ने कहा कि उनके मंत्रालय की ओर से ही लगभग दो लाख करोड़ रुपए की परियोजनाओं की योजना तैयार की जा रही हैं। इन परियोजनाओं से राज्य में -शेष पृष्ठ दो पर

गौहाटी एचसी ने एनसी हिल्स स्वायत्त परिषद का 42वां संशोधन किया रद्द

गुवाहाटी। गौहाटी उच्च न्यायालय ने एनसी हिल्स स्वायत्त परिषद द्वारा पारित दलबदल विरोधी कानून को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया है। अदालत ने कहा कि यह कानून बिना किसी अधिकार क्षेत्र के बनाया गया था। मुख्य न्यायाधीश आशुतोष कुमार और न्यायाधीश अरुण देव चौधरी की पीठ ने 07 मई को यह आदेश दिया। यह आदेश दीमा हसाओ जिले के कुछ निवासियों द्वारा दायर एक याचिका पर पारित किया गया। याचिका में एनसी हिल्स स्वायत्त परिषद (42वां संशोधन) अधिनियम, 2017 के नियम 18ए की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई थी। यह नियम परिषद के निर्वाचित सदस्यों को दलबदल के आधार पर अयोग्य ठहराने का प्रावधान करता था। नए नियम के तहत, यदि कोई सदस्य स्वेच्छा से अपनी राजनीतिक पार्टी की -शेष पृष्ठ दो पर

विजय की नई सरकार के आधे मंत्री दागी, कई नेता करोड़ों के मालिक : एडीआर रिपोर्ट

नई दिल्ली। तमिलनाडु में नई सरकार का गठन हो चुका है। नए मंत्रियों ने शपथ भी ले ली है। इसी बीच चुनाव सुधार के लिए काम करने वाली संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने एक रिपोर्ट जारी की। नई रिपोर्ट के आंकड़े स्पष्ट रूप से बताते हैं कि राजनीति में आज भी धनबल और बाहुबल का बहुत बड़ा बोलबाला है। तमिलनाडु कैबिनेट के आधे मंत्रियों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं और वे करोड़ों-अरबों रुपए के मालिक हैं। यह खबर साफ दिखाती है कि जनता की भलाई और सेवा का दावा करने वाले बड़े नेताओं का खुद का इतिहास कैसा है। एक तरफ सरकार सुशासन और कानून व्यवस्था को सुधारने की बात करती है, तो दूसरी तरफ दागी चेहरों को अहम पदों पर बिठाया गया है। एडीआर और तमिलनाडु इलेक्शन वॉच ने 12 मई 2026 को शपथ लेने वाले मुख्यमंत्री सहित 10 मंत्रियों के चुनावी शपथपत्रों का गहराई से विश्लेषण किया। इसमें यह बात निकलकर सामने आई है कि हर 10 में से 5 यानी 50 प्रतिशत मंत्रियों पर पुलिस और अदालतों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि इनमें से 3 मंत्रियों (30 प्रतिशत) -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली में पूर्वोत्तर की महिला से बदसलूकी

सांग्मा ने की दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

शिलांग। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड सांग्मा ने दिल्ली में पूर्वोत्तर की एक महिला के साथ हुई कथित मारपीट की घटना पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मुख्यमंत्री ने असम की रहने वाली महिला के साथ हुए शारीरिक और नस्लीय उत्पीड़न की निंदा की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हिंसा और भेदभाव के ऐसे बार-बार होने वाले कृत्यों को अलग-थलग घटनाओं के रूप में खारिज नहीं किया जा सकता है। कानून के तहत इन्हें सबसे सख्त सजा मिलनी चाहिए। दिल्ली -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

AFFIDAVIT

I, **S DAYABATI SINGHA,** W/o. Dipak Singha, aged about 38 years, resident of Amsing Jorabat, Near Amchong Tea Estate, P.O. Amsing Gaon, P.S. Satgoan, Guwahati-781027, Dist.-Kamrup (M), Assam. I have changed my name from **DAYABATI SINGHA** to **S DAYABATI SINGHA** due to wrong mention of my name in my Aadhar card bearing No. 4497 6457 7291 as such I shall be known as **S DAYABATI SINGHA** for all purposes instead of **DAYABATI SINGHA** and it is a fact that both **DAYABATI SINGHA** and **S Dayabati Singha** are actually one and same person having single idenity i.e. myself vide affidavit before the Notary Kamrup (M) on 07.05.2026

AFFIDAVIT

I, **DIPAK SINGHA,** S/o. S Hemango Singha, aged about 44 years, by religion Hindu, resident of Amsing Jorabat, Near Amchong Tea Estate, P.O. Amsing Gaon, P.S. Satgoan, Guwahati-781027, Dist.-Kamrup (M), Assam. I have changed the name of my son from **DEBASISH SINGHA** to **S DEBASISH SINGHA** due to wrong mention of his name in his Aadhar card bearing No. 3669 5967 3926 as such he shall be known as **S DEBASISH SINGHA** for all purposes instead of **DEBASISH SINGHA** and it is a fact that both **DEBASISH SINGHA** and **S DEBASISH SINGHA** are actually one and same person having single idenity i.e. my son vide affidavit before the Notary Kamrup (M) on 07.05.2026

AFFIDAVIT

I, **DIPAK SINGHA,** S/o. S Hemango Singha, aged about 44 years, by religion Hindu, resident of Amsing Jorabat, Near Amchong Tea Estate, P.O. Amsing Gaon, P.S. Satgoan, Guwahati-781027, Dist.-Kamrup (M), Assam. I have changed the name of my son from **JASSY SINGHA** to **S JASSY SINGHA** due to wrong mention of his name in his Aadhar card bearing No. 6741 2941 1312 as such he shall be known as **S JASSY SINGHA** for all purposes instead of **JASSY SINGHA** and it is a fact that both **JASSY SINGHA** and **S JASSY SINGHA** are actually one and same person having single idenity i.e. my son vide affidavit before the Notary Kamrup (M) on 07.05.2026

पेपर लीक : नीट परीक्षा रद्द, 22.79 लाख परीक्षार्थी दोबारा देंगे परीक्षा

कोटा (हि.स.)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने तीन मई को देशभर में ऑफलाइन मोड में हुई नीट-यूजी, 2026 परीक्षा को मंगलवार को रद्द कर दिया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से अनुमति के बाद अब यह परीक्षा दोबारा आयोजित की जाएगी, इसके लिए परीक्षार्थियों को दोबारा पंजीयन नहीं करवाना है। साथ ही, इसके लिए परीक्षार्थियों से कोई परीक्षा शुल्क नहीं लिया जाएगा। उनके द्वारा जमा राशि भी लौटाई जाएगी। अभ्यर्थियों को नीट-यूजी, 2026 के लिए फिर से प्रवेश पत्र जारी किए जाएंगे। एनटीए के अनुसार इस वर्ष कुल 22,79,746 परीक्षार्थियों ने नीट परीक्षा दी थी, जिसमें 13,32,928 (58.46 प्रतिशत) छात्राएं एवं 9,46,815 (41.54 प्रतिशत) छात्र शामिल हुए थे। इस वर्ष 3,38,113 छात्राएं अधिक रहीं। देश के सभी परीक्षा केंद्रों पर 3 मई को हुई इस परीक्षा में राजस्थान के कुछ केंद्रों पर पेपर लीक होने की सूचना मिलने पर केंद्रीय जांच एजेंसियों एवं राजस्थान की स्पेशल आपरेशन ग्रुप ने इसकी गहराई से पड़ताल की। परीक्षा प्रणाली में निष्पक्षता बनाये रखने के लिए छात्र हित में इसे दोबारा कराने का निर्णय लिया गया है। परीक्षा होने के चार दिन बाद 7 मई देर शाम को एनटीए को राजस्थान के कुछ परीक्षा केंद्रों पर पेपर लीक या परीक्षा से पहले डमी पेपर बेचने जैसी संदिग्ध गतिविधियों के इनपुट प्राप्त हुए। एजेंसी ने मामले की गहराई से जांच और आवश्यक कदम उठाने के लिए सारे दस्तावेज व इनपुट केंद्रीय जांच एजेंसियों को सौंपे। मंगलवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से अनुमति मिलने पर यह परीक्षा रद्द करने का निर्णय लिया गया। परीक्षा की अगली तिथि के लिए वेबसाइट पर अधिकृत सूचना जारी कर दी जाएगी। केंद्र सरकार ने परीक्षा के दौरान हुई संभावित गड़बड़ी की जांच सीबीआई से करवाने के निर्देश दिये हैं, जिसमें एनटीए सभी परीक्षा सामग्री, सारे रिकॉर्ड एवं पूछताछ आदि सीबीआई को सौंपकर पूरा सहयोग करेगी। इस परीक्षा के माध्यम से मेडिकल, डेंटल, आयुष, वेटरनरी और चयनित नर्सिंग कॉलेजों में करीब 2.65 लाख सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। भारत में अब 820 मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की लगभग एक लाख 29 सीटें उपलब्ध हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में चीन-पाकिस्तान के गठजोड़ का पर्दाफाश

विदेश मंत्रालय ने कहा- हमारी जानकारी सच साबित हुई

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को मिले चीन के समर्थन पर एक बड़ी जानकारी दी। विदेश मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि हाल ही में आई वे सभी रिपोर्ट बिल्कुल सही हैं, जिनमें *ऑपरेशन सिंदूर* के समय चीन द्वारा पाकिस्तान की मदद करने का दावा किया गया था। भारत सरकार को यह बात पहले से ही पता थी और नई रिपोर्ट सिर्फ उस पुरानी जानकारी को सच साबित करती हैं। हाल ही में चीन के सरकारी मीडिया ने खुद इस बात को कबूल किया है कि मई 2025 में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीजिंग ने पाकिस्तान को तकनीकी मदद दी थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को इस मामले पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुलकर बात की। उन्होंने स्पष्ट किया कि चीन की मदद वाली रिपोर्ट सिर्फ उसी बात को सच साबित करती हैं, जो बात भारत को पहले से ही बहुत अच्छी तरह से पता थी। भारत का *ऑपरेशन सिंदूर* पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में की गई एक बेहद सटीक और सधी हुई कार्रवाई थी। इसका एकमात्र मकसद पाकिस्तान की जमीन पर चल रहे आतंकवाद के ढांचे को पूरी तरह से नष्ट करना था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने चीन का बिना नाम लिए उस पर सीधा और करारा प्रहार किया है। रणधीर जायसवाल ने सख्त लहजे में कहा कि जो देश खुद को बहुत जिम्मेदार मानते हैं, उन्हें अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। उन्हें खुद इस बात पर विचार करना चाहिए कि क्या आतंकवाद के बुनियादी ढांचे को बचाने की कोशिश करने वालों का समर्थन करने से उनकी अपनी इज्जत और साख पर कोई असर नहीं पड़ता है?

ईरान की अमेरिका को खुली धमकी

अब हमला किया तो परमाणु बम...

तेहरान। ईरान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका उसके क्षेत्र पर एक और हमला करता है, तो वह परमाणु सीमा पार कर जाएगा और यूरेनियम संवर्धन को हथियार-योग्य स्तर तक बढ़ा देगा। यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कुछ सहयोगियों ने कहा है कि वह अब ईरान में सैन्य अभियान फिर से शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। ईरान की संसदीय राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति आयोग के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने कहा कि तेहरान 90 प्रतिशत शुद्धता तक यूरेनियम का संवर्धन कर सकता है, जो परमाणु हथियारों के लिए उपयुक्त स्तर माना जाता है। रेजाई ने एक्स पर लिखा कि ईरान के पास एक और हमले की स्थिति में 90 प्रतिशत संवर्धन का विकल्प हो सकता है। हम संसद में इसकी समीक्षा करेंगे। यह टिप्पणी ट्रंप द्वारा वाशिंगटन और तेहरान के बीच नाजुक युद्धविराम पर सवाल उठाने के 24 घंटे से भी कम समय बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान द्वारा महीनों से चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से अमेरिका समर्थित प्रस्ताव को अस्वीकार करने के बाद युद्धविराम *जीवन रक्षक यंत्र* पर है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम विवाद का मूल कारण है, विशेष रूप से लगभग 400 किलोग्राम यूरेनियम का भविष्य, जिसे पहले ही 60 प्रतिशत शुद्धता तक संवर्धित किया जा चुका है, जो हथियार-स्तर से थोड़ा ही नीचे है। पिछले जून में ट्रंप ने घोषणा की थी कि 12 दिनों के युद्ध के दौरान अमेरिका और इजराइल के हमलों ने ईरान की परमाणु सुविधाओं को *नष्ट* कर दिया था। लेकिन अमेरिकी खुफिया आकलन से पता चला है कि तेहरान का परमाणु कार्यक्रम तब तक जीवित रह सकता है जब तक कि अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के भंडार को या तो नष्ट नहीं कर दिया जाता या देश से बाहर नहीं ले जाया जाता। ट्रम्प चाहते हैं कि ईरान संवर्धित यूरेनियम सौंप दे और अपना परमाणु कार्यक्रम छोड़ दे। हालांकि, तेहरान का कहना है कि परमाणु मुद्दों पर बातचीत के बाद के चरणों में ही चर्चा होनी चाहिए और उसने अपने संप्रभु अधिकार माने जाने वाले इस अधिकार को छोड़ने की मांग को खारिज कर दिया है।

कोई भी एआई मरीज के बिस्तर के पास डॉक्टर की मौजूदगी की जगह नहीं ले सकता : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने मंगलवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित तकनीकें स्वास्थ्य सेवा समेत कई क्षेत्रों में बदलाव ला रही हैं, लेकिन कोई भी एआई मरीज के बिस्तर के पास डॉक्टर की मौजूदगी और मानवीय संवेदनाओं की जगह नहीं ले सकता। उपराष्ट्रपति ने भारत मंडपम में आयोजित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के 51वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए युवा डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों से अपने पेशे में सहानुभूति, ईमानदारी और मानवता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एम्स अब केवल अंतर्राष्ट्रीय मानकों का अनुसरण नहीं कर रहा, बल्कि स्वयं वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है। राधाकृष्णन ने कहा कि एम्स ने चिकित्सा नवाचार, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं और मरीजों की देखभाल के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है, जबकि इसकी सेवाएं आम लोगों के लिए अब भी किफायती बनी हुई हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि महामारी से निपटने से लेकर ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं तक, एम्स का नाम देश और दक्षिण-पूर्व एशिया में भरोसे और ईमानदारी का प्रतीक बन गया है। उन्होंने इस वर्ष अंटार्कटिका में रिमोट रोबोटिक अल्ट्रासाउंड करने की एम्स की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे यह साबित हुआ है कि भारतीय चिकित्सा उत्कृष्टता के लिए भौगोलिक सीमाएं अब बाधा नहीं रहीं।

No. UDB/Tender /01/2022-23/ *Date: 05/05/2026*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non- refundable Court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & twenty five paisa) only with a validity period of 180 Days which will subsequence to be converted and drawn up in the printed of F- 2 form are invited form the registered contractors of Class –II and Class –I (A,B, & C) category of Assam PWD (Road & Building) and BTC according to their eligibility for submitting tenders for the works under SOPD & various schemes under BTR for the year 2021-22 during 2025-26 & other financial years as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to 12.00 Noon on 05/06/2026 and will be opened on the same date & place at 2.00 P.M.

Sl. No.	Name of work	Tender Amount (In Lakhs)	Cost of Tender Paper	Time of Completion of Work
1	Const of community toilet at Nijwmpuri (Harpur Ex NDFB Colony) Bathou Mandir under 15ASFC for 2025-26	Rs.11,00,000.00	Rs.500.00	3(three) months from the issue of Formal Work Order
2	Const of community toilet at 10 No line Paneri TE Catholic Church under 15ASFC for 2025-26	Rs.11,00,000.00	Rs.500.00	3(three) months from the issue of Formal Work Order
3	Const of community toilet at Phulbari Roman Catholic Church under 15ASFC for 2025-26	Rs.11,00,000.00	Rs.500.00	3(three) months from the issue of Formal Work Order
4	Const of CC block road from cc block road to 8 Lankeswar Narzary house inn Saglijhar village under 15ASFC for 2024-25(1st & 2nd Instl) during 2025-26	Rs.12,00,000.00	Rs.500.00	3(three) months from the issue of Formal Work Order
5	Const of community toilet at Mahendrapur Catholic Church under 15ASFC for 2025-26	Rs.11,00,000.00	Rs.500.00	3(three) months from the issue of Formal Work Order
6	Const of community toilet at Shiva Mandir Uttar Majuli basti under 15ASFC for 2025-26	Rs.11,00,000.00	Rs.500.00	3(three) months from the issue of Formal Work Order

Detailed N.I.T. may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized agents from 13/05/2026 to 05/06/2026 in the office of the undersigned on payment.

Sd/-Block Development Officer
Udalguri Development Block

IPR(BTC)/C/2026-27/100

यहां हिंदुओं पर हमला हुआ तो कुर्सी छोड़ दूंगा बस भारत मुस्लिमों की रक्षा करे : बांग्लादेशी मंत्री

ढाका। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर बढ़ते हमलों और कट्टरपंथी बयानों के बीच धार्मिक मामलों के मंत्री काजी शाह मोफज्जल हुसैन कैकोबाद ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि अगर देश में अल्पसंख्यकों यानि हिंदुओं या किसी भी धर्म के लोगों पर अत्याचार हुआ तो वह मंत्री पद से इस्तीफा देने तक को तैयार हैं। ढाका में बांग्लादेश सेक्रेटेरिएट रिपोर्टर्स फोरम (बीएसआरएफ) के कार्यक्रम में बोलते हुए कैकोबाद ने कहा कि बांग्लादेश में किसी भी समुदाय के खिलाफ अन्याय, हिंसा या उत्पीड़न को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो मैं मंत्रालय छोड़ दूंगा, लेकिन अल्पसंख्यकों के खिलाफ किसी भी प्रकार का जुल्म स्वीकार नहीं करूंगा। मंत्री ने भारत का जिक्र करते हुए कहा कि वह भारत का सम्मान करते हैं क्योंकि भारत लोकतंत्र को बनाए रखने वाला बड़ा देश है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि भारत को अपने यहां मुस्लिम और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि भारत सभी समुदायों को बराबरी का अधिकार और सुरक्षा देगा तो उनका सम्मान और बढ़ेगा।

बंगाल में सत्ता बदलते ही माओवादी ऑपरेटिव ने किया आत्मसमर्पण

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में एक माओवादी ऑपरेटिव ने मंगलवार को राज्य पुलिस प्रशासन के समक्ष आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने और सामान्य जीवन जीने की इच्छा जताई। आत्मसमर्पण करने वाले ऑपरेटिव की पहचान हुगली जिले के जंगीपाड़ा निवासी मधाई पात्र के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार आत्मसमर्पण के समय उसके पास से किसी हथियार या विस्फोटक की बरामदगी की तत्काल पुष्टि नहीं हुई है। आत्मसमर्पण के बाद मधाई पात्र ने कहा कि खराब स्वास्थ्य के कारण उसने उग्रवादी रास्ता छोड़ने का फैसला किया। उसने बताया कि पुलिस के समक्ष आने से पहले उसने अपने *इंचार्ज* से अनुमति ली थी। मधाई पात्र ने कहा कि मेरी शारीरिक स्थिति ठीक नहीं है। इसी वजह से मैंने आत्मसमर्पण कर सामान्य जीवन में लौटने का निर्णय लिया है। उसने अपने पूर्व साथियों और अन्य माओवादी कार्यकर्ताओं से भी हिंसा छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की। उसने दावा किया कि वह लंबे समय से बिहार, ओडिशा, झारखंड और पश्चिम बंगाल में सक्रिय कई माओवादी संगठनों से जुड़ा था।

पृष्ठ एक का शेष

दूसरी बार सीएम ...

नजर आए। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल प्रमुख अतिथियों में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, निर्मला सीतारमण, अश्विनी वैष्णव, सर्बानंद सोनोवाल, किरण रिजिजू, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साई, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्त, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फणनवीस, मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद्र, मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के सांग्मा, नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, ओड़िशा के मुख्यमंत्री मोहन चरन माझी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. (प्रो.) मानिक साहा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा, भाजपा के राष्ट्रीय सांगठनिक महासचिव बीएल संतोष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा, राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग के साथ ही कई राज्यों के उप मुख्यमंत्री एवं अन्य प्रमुख राष्ट्रीय नेता, व्यावसायिक जगत की प्रमुख हस्तियां शामिल थीं। शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा के सभी स्तर के पदाधिकारियों के साथ नेताओं को भी आमंत्रित किया गया था। आयोजन में किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती की गयी थी।

दमदार रहा है मुख्यमंत्री ...

छात्रसंघ के महासचिव थे। उन्होंने कॉटन कॉलेज से राजनीति विज्ञान में 1990 में स्नातक और 1992 में स्नातकोत्तर की परीक्षा पास की। डॉ. शर्मा ने गुवाहाटी के सरकारी कानून महाविद्यालय से कानून में स्नातक और गुवाहाटी विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने 1996 से 2001 तक गौहाटी उच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में कार्य शुरू किया। डॉ. शर्मा 2001 में अगप के नेता भृगु कुमार फुकन को परास्त कर पहली बार जालुकबारी से असम विधानसभा के लिए चुने गए। 2006 में वे पुनः निर्वाचित हुए, उसके बाद 2011 में 78,000 वोट के अंतर से लगातार तीसरी बार चुने गए। 2002 से 2014 तक कृषि, योजना और विकास, वित्त, स्वास्थ्य, शिक्षा और असम समझौता कार्यान्वयन राज्य मंत्री के रूप में डॉ. शर्मा ने महत्वपूर्ण (राज्य और कैबिनेट दोनों में) अनुभव प्राप्त किया। 2006 में उन्हें स्वास्थ्य विभाग का कैबिनेट मंत्री नियुक्त किया गया और 2011 में उन्हें शिक्षा की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दी गई। पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के साथ राजनीतिक मतभेद के बाद 21 जुलाई, 2014 को डॉ. शर्मा ने सभी सरकारी पदों से इस्तीफा दे दिया। 15 सितंबर, 2015 को उन्होंने विधानसभा से भी इस्तीफा दे दिया। 23 अगस्त, 2015 को डॉ. शर्मा नई दिल्ली में अमित शाह के निवास पर औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। मई 2016 में डॉ. शर्मा ने चौथी बार जालुकबारी सीट से जीत हासिल की और 24 मई को मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल के मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। 10 मई, 2021 में डॉ. हिमंत विश्व शर्मा असम के 15वें मुख्यमंत्री बने। आज असम के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने दूसरी बार शपथ ग्रहण किया। डॉ. शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा एक सफल उद्यमी हैं तथा उनके पुत्र नंदील विश्व शर्मा एवं पुत्री सुकन्या शर्मा हैं।

बहुत खुशी का...

हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा ने कहा कि यह बहुत खुशी का पल है। वहीं उनकी बेटी सुकन्या शर्मा ने कहा कि हम यहां आकर बेहद खुश और उत्साहित महसूस कर रहे हैं। शपथ के बाद रिनिकी भुइयां ने कहा कि हम मां कामाख्या देवी के आभारी हैं और जनता ने प्रगति और विकास के पक्ष में मतदान किया है। उन्हें भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर विश्वास है।

तीसरी बार राजग...

इन नेताओं के प्रयासों से असम के विकास की गति और मजबूत होगी। मोदी ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि मैं रामेश्वर तेली, अतुल बोरा, चरण बोड़ो और अजंता नियोग को असम सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई देता हूं। राज्य के विकास की यात्रा को मजबूत करने की दिशा में उनके प्रभावी कार्यों के लिए मेरी शुभकामनाएं।

असम संग नई ...

समारोह के बाद सोशल मीडिया पर अपने विचार साझा करते हुए गोर ने कहा कि उन्हें इस अवसर पर गुवाहाटी आमंत्रित किए जाने पर गर्व है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और असम के बीच पहले से ही कई वाणिज्यिक संबंध हैं और उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शर्मा के नेतृत्व में दोनों पक्ष भविष्य में पारस्परिक रूप से लाभकारी कई और अवसरों की पहचान कर सकेंगे। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेताओं ने मंगलवार को असम में नवगठित भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को हार्दिक बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि राज्य अब विकास की नई ऊंचाइयों को छूता रहेगा। हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने राज्य में लगातार तीसरी बार सरकार बनाई है। शर्मा के अलावा, चार अन्य मंत्रियों ने भी नए मंत्रिपरिषद में शपथ ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री रामेश्वर तेली, असम गण परिषद (अगप) के अध्यक्ष अतुल बोरा, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के नेता चरण बोड़ो और वरिष्ठ भाजपा नेता अजंता नियोग ने मंत्री पद की शपथ ली। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के अलावा एनडीए शासित 22 राज्यों के नेता और मुख्यमंत्री भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने शपथ लेने के बाद शर्मा और मंत्रियों को बधाई दी। शपथ ग्रहण के बाद समारोह से जाने से पहले प्रधानमंत्री ने जनता और मंच पर मौजूद लोगों का आभार जताया। शर्मा ने *एक्स* पर लिखा कि मां कामाख्या, महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव और असम की जनता के आशीर्वाद से मैंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। मंत्रिपरिषद के साथ हम जनता की सेवा करने और उसकी आकांक्षाएं पूरी करने को लेकर उत्सुक हैं। नियोग, बोरा और बोड़ो शर्मा की पिछली कैबिनेट के सदस्य थे, जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री तेली ने राज्य की राजनीति में वापसी की। नियोग वित्त मंत्री, बोरा कृषि मंत्री जबकि बोड़ो परिवहन मंत्री थे। राज्य ने 126 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव में रिकॉर्ड 102 सीट जीतीं, जिनमें भाजपा की 82 सीटें शामिल हैं। भाजपा के सहयोगी दल अगप और बीपीएफ ने 10-10 सीटें जीतीं।

असम के लिए लगभग ...

सड़क संपर्क, परिवहन व्यवस्था और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। उल्लेखनीय है कि भाजपा नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार लगातार तीसरी बार असम में सत्ता संभालने जा रही है। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इससे पहले भाजपा और एनडीए विधायक दल की बैठक में हिमंत विश्व शर्मा को सर्वसम्मति से नेता चुना गया। बैठक में असम गण परिषद तथा बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट सहित सहयोगी दलों के वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण से पहले शर्मा ने घोषणा की कि रामेश्वर तेली, अतुल बोरा, चरण बोड़ो तथा अजंता नेओग मंत्री पद की शपथ लेंगे। साथ ही रंजीत दास को असम विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए एनडीए का उम्मीदवार घोषित किया गया है।

गौहाटी एचसी ने एनसी ...

सदस्यता छोड़ देता है, तो उसे अयोग्य घोषित किया जा सकता था। साथ ही, यदि वह पार्टी के किसी निर्देश या व्हिप के विपरीत परिषद में मतदान करता या मतदान से अनुपस्थित रहता, तो भी अयोग्य होता। उच्च न्यायालय ने सुनवाई के बाद अपने आदेश में संशोधन को असंवैधानिक बताया। अदालत ने कहा कि एनसी हिल्स स्वायत्त परिषद, संविधान की छठी अनुसूची के तहत एक निकाय है। इसे कानून बनाने के लिए सूचीबद्ध विषयों से परे कोई अधिकार नहीं है। अदालत ने माना कि नियम 18ए मूल रूप से एक दलबदल विरोधी कानून है, जो छठी अनुसूची के दायरे से बाहर है। यह क्षेत्र संविधान की दसवीं अनुसूची के अंतर्गत आता है, जो इस विषय पर एक पूर्ण संवैधानिक संहिता प्रदान करती है। उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि नियम 18ए अल्ट्रा वायर्स और असंवैधानिक है। अदालत ने कहा कि दलबदल के विषय पर कानून बनाने की क्षमता एनसी हिल्स स्वायत्त परिषद के पास नहीं है। यह विषय केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि नियम 18ए अमान्य और शून्य घोषित किया जाता है, क्योंकि एनसी हिल्स स्वायत्त परिषद के पास दलबदल के विषय पर कानून बनाने की कोई क्षमता नहीं है। इसलिए, अदालत के पास इस कानून को अमान्य घोषित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

विजय की नई सरकार...

पर तो हत्या के प्रयास और दंगे जैसे गंभीर आपराधिक मामले चल रहे हैं। इसके साथ ही, यह नई कैबिनेट बहुत ज्यादा अमीर भी है। इन 10 मंत्रियों की कुल औसतन संपत्ति 126.50 करोड़ रुपए आंकी गई है। 10 में से 2 मंत्री ऐसे हैं जिनकी संपत्ति 100 करोड़ रुपए से भी ज्यादा है और वे सीधे तौर पर अरबपतियों की सूची में आते हैं। संपत्ति और अमीरी के मामले में इस सरकार के मंत्री बहुत आगे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे अमीर मंत्री खुद राज्य के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय हैं। उन्होंने चुनाव आयोग को दिए हलफनामे में अपनी कुल संपत्ति 648.85 करोड़ रुपए से भी ज्यादा बताई है। उनके बाद विल्लिवाक्कम सीट से जीतकर आए मंत्री आधव अर्जुन का नंबर आता है, जिनकी संपत्ति 534 करोड़ रुपए से ज्यादा है। कर्ज की बात करें तो 10 में से 9 मंत्रियों (90 प्रतिशत) ने अपने ऊपर देनदारी होने की घोषणा की है। इनमें भी सबसे ज्यादा 26.26 करोड़ रुपए का भारी कर्ज आधव अर्जुन पर ही है। वहीं मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय पर भी 7.63 करोड़ रुपए की देनदारी है। सबसे कम संपत्ति शिवकाशी से जीतकर आईं महिला मंत्री एस. कीर्तना के पास है, जिनकी कुल संपत्ति केवल 22.57 लाख रुपए है। आपराधिक मामलों का आंकड़ा और भी ज्यादा डराने वाला है। निर्वाचन क्षेत्र गोबिचेट्टीपलायम के मंत्री के. ए. सेनगोट्टैयन पर 3 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके अलावा त्यागरायनगर के मंत्री एन. आनंद पर भी 3 आपराधिक मामले हैं, जिनमें हत्या का प्रयास और सरकारी कर्मचारी पर हमला करने जैसे बेहद गंभीर आरोप शामिल हैं। तिरुपरनकुंद्रम के मंत्री आर. निर्मलकुमार पर भी हत्या के प्रयास और दो वर्गों के बीच दुश्मनी पैदा करने के 2 गंभीर मामले दर्ज हैं। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय पर भी गैरकानूनी रूप से भीड़ का हिस्सा बनने और लोक सेवक का आदेश न मानने के 2 मामले चल रहे हैं। आधव अर्जुन पर भी 1 गंभीर मामला दर्ज है। यह स्पष्ट दिखाता है कि सत्ता के ऊंचे पदों पर बैठे इन नेताओं का कानून की नजर में क्या रिकॉर्ड है। जब हम इन बड़े नेताओं की शिक्षा और योग्यता की बात करते हैं, तो वहां भी आंकड़े चौंकाते हैं। एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार, 10 में से 3 मंत्रियों (30 प्रतिशत) की शैक्षिक योग्यता केवल 8वीं कक्षा से 12वीं कक्षा के बीच है। राज्य के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय केवल 12वीं पास हैं, मंत्री के. ए. सेनगोट्टैयन 10वीं पास हैं और एन. आनंद मात्र 8वीं पास हैं। वहीं, बाकी सात मंत्रियों (70 प्रतिशत) ने अपनी शिक्षा स्नातक (ग्रेजुएशन) या उससे ज्यादा बताई है। इसके अलावा, महिलाओं को आगे बढ़ाने के बड़े-बड़े दावों के बीच इस नई सरकार में महिलाओं की भागीदारी बहुत ही कम रखी गई है। इन 10 मंत्रियों की पूरी लिस्ट में एस. कीर्तना के रूप में केवल एक ही महिला मंत्री को जगह मिल पाई है। ऐसा नहीं है कि यह खराब स्थिति केवल नए मंत्रियों की है, बल्कि पूरे सदन का हाल लगभग एक जैसा ही है। एडीआर की इसी साल आई एक पिछली रिपोर्ट में बताया गया था कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव जीतने वाले 233 उम्मीदवारों में से आधे से ज्यादा यानी 126 (54 प्रतिशत) विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी दी है। इनमें से 56 विधायक (24 प्रतिशत) ऐसे हैं जिन पर गंभीर आपराधिक आरोप लगे हुए हैं। अगर हम साल 2021 के विधानसभा चुनाव के आंकड़ों पर नजर डालें, तो उस समय 224 विधायकों में से 134 (60 प्रतिशत) विधायकों पर आपराधिक मामले चल रहे थे। इस बार भी 193 विधायक (83 प्रतिशत) ऐसे थे जो करोड़पति थे। यह साबित करता है कि राजनीति में पैसा और अपराध का पुराना गठजोड़ लगातार बना हुआ है।

दिल्ली में पूर्वोत्तर...

पुलिस ने सोमवार को बताया कि दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के नेहरू प्लेस स्थित एक होटल के बाहर कथित तौर पर पुरुषों के एक समूह ने असम और बिहार की दो महिलाओं के साथ छेड़छाड़ और मारपीट की। पुलिस ने कहा कि इस घटना में शामिल सभी चार संदिग्धों को हिरासत में ले लिया गया है। यह घटना 10 मई की सुबह करीब 6:30 बजे होटल के बाहर एक चाय की दुकान के पास हुई थी। सांग्मा ने अधिकारियों से घटना में शामिल लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले पूर्वोत्तर के लोगों की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ नस्लीय भेदभाव और हिंसा को हमारे समाज में कोई स्थान नहीं है और इससे सख्ती से निपटा जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री धामी ने कामाख्या मंदिर में की पूजा-अर्चना

गुवाहाटी (हिंस)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को गुवाहाटी (असम) में स्थित प्रसिद्ध कामाख्या देवी मंदिर में दर्शन व विधिवत पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने मां कामाख्या से समस्त प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि व उत्तम स्वास्थ्य के साथ-साथ देवभूमि उत्तराखंड की निरंतर प्रगति, विकास और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

चरण बोड़ो फिर बने मंत्री बोड़ो भाषा में ली शपथ

गुवाहाटी (हिंस)। बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के वरिष्ठ नेता चरण बोड़ो ने मंगलवार को असम में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में मंत्री के रूप में बोड़ो भाषा में शपथ ली। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने गुवाहाटी में आयोजित समारोह में उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में राजग के कई वरिष्ठ नेता और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने भी लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की। वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत राजग को प्रचंड बहुमत मिलने के बाद राज्य में तीसरी बार उसकी सरकार बनी है। 01 जुलाई, 1979 को जन्मे चरण बोड़ो असम सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्यरत थे। वह बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट के नेता हैं और वर्ष 2016 से असम विधानसभा में माजबाट विधानसभा क्षेत्र का लगातार प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2003 में गौहाटी विश्वविद्यालय से एमए की शिक्षा प्राप्त की है। उदालगुड़ी जिले के रंगागढ़ क्षेत्र के निवासी चरण बोड़ो के पिता का नाम नवीन बोड़ो तथा माता का नाम अम्पुली बोड़ो है। वह लंबे समय से बोड़ो समुदाय के हितों के लिए कार्य करने वाली क्षेत्रीय पार्टी बीपीएफ से जुड़े हुए हैं। राज्य मंत्रिमंडल में चरण बोड़ो की भागीदारी को बोड़ोलैंड क्षेत्र के प्रतिनिधित्व के रूप में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

लामडिंग में देर रात भीषण आगजनी घर जलकर राख

होजाई (हिंस)। लामडिंग में बीती रात एक भयावह आग की घटना सामने आई, जिसमें एक व्यक्ति का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। दक्षिण लामडिंग उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के समीप हुई इस घटना में राजू गुप्ता नामक व्यक्ति का आवास और घर के भीतर रखा सामान आग की भेंट चढ़ गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देर रात अचानक राजू गुप्ता के घर में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने के दौरान घर के भीतर रखा रसोई गैस सिलेंडर भी विस्फोट हो गया, जिससे स्थिति और भयावह हो गई। सिलेंडर विस्फोट की तेज आवाज से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। हादसे में घर के साथ-साथ अंदर मौजूद अन्य संपत्तियां भी जलकर नष्ट हो गईं। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए स्वयं आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। आरोप है कि सूचना दिए जाने के काफी देर बाद अग्निशमन विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची।

असम की जनता ने विकास के लिए मतदान किया

एकनाथ शिंदे ने हिमंत को तीसरे कार्यकाल पर दी बधाई

गुवाहाटी (हिंस)। असम में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह से पहले भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेताओं ने मुख्यमंत्री पद के लिए नामित हिमंत विश्व शर्मा और गठबंधन को ऐतिहासिक जीत पर बधाई देते हुए इसे विकास की राजनीति पर जनता की मुहर बताया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि असम की जनता ने विकास के मुद्दे पर मतदान किया है। एक वीडियो संदेश जारी करते हुए उन्होंने प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त किया और हिमंत विश्व शर्मा तथा उनकी टीम को लगातार तीसरी बार सरकार बनाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और डबल इंजन सरकार के सहयोग से असम की जनता की आकांक्षाएं पूरी होंगी तथा राज्य में विकास की गति और तेज होगी। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने भी एनडीए की जीत पर खुशी जताते हुए कहा कि देशभर में सकारात्मक ऊर्जा का माहौल है और प्रधानमंत्री के आशीर्वाद से भाजपा लगातार राज्यों में जीत दर्ज कर रही है। असम गण परिषद के अध्यक्ष अतुल बोरा ने कहा कि जनता ने एनडीए को भारी जनादेश देकर गठबंधन पर अपना विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि आने वाले पांच वर्ष असम के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे और राज्य स्वर्णिम दौर की ओर बढ़ेगा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी असम की जनता को बधाई देते हुए एनडीए की लगातार तीसरी जीत को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। वहीं, भाजपा नेता और दुलियाजान से निर्वाचित विधायक रामेश्वर तेली ने शपथ ग्रहण समारोह को अपने राजनीतिक जीवन का ऐतिहासिक क्षण बताते हुए पार्टी नेतृत्व और मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आज गुवाहाटी में आयोजित हो रहा है।

भाजपा के कद्दावर नेता रामेश्वर तेली केंद्र से फिर पहुंचे राज्य मंत्रिमंडल में

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रामेश्वर तेली ने मंगलवार को असम की नई सरकार में मंत्री पद की शपथ ली। गुवाहाटी में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों के मुख्यमंत्री तथा देशभर से आए भाजपा के वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। भाजपा के प्रभावशाली चाय जनजाति चेहरे के रूप में माने जाने वाले रामेश्वर तेली वर्तमान में दुलियाजान विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। ऊपरी असम के प्रमुख भाजपा नेताओं में शामिल तेली को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाना पार्टी के लिए राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विशेष रूप से चाय बागान क्षेत्रों तथा औद्योगिक इलाकों में भाजपा की पकड़ मजबूत करने के दृष्टिकोण से उनकी भूमिका अहम मानी जा रही है। रामेश्वर तेली पूर्व में राज्यसभा सांसद तथा डिब्रूगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद रह चुके हैं। केंद्र सरकार में उन्होंने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, श्रम एवं रोजगार तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया था। इसके अलावा वह वर्ष 2001 से 2011 तक दुलियाजान से दो बार विधायक भी रहे। 14 अगस्त, 1970 को असम के दुलियाजान में उनका जन्म हुआ। उनके पिता का नाम बुधु तेली और माता का नाम दुलका तेली है। वह असम के चाय बागान समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता एक ड्राइवर थे। वह *ऑल असम टी ट्राइब स्टूडेंट्स एसोसिएशन* (एएटीटीएसए) के स्थानीय नेता थे। वह डिब्रूगढ़ जिले के दुलियाजान विधानसभा से 2001-2006 और 2006-2011 के दौरान असम विधानसभा के लिए चुने गए थे। 2011 के विधानसभा चुनावों में वह अमिया गोगोई से लगभग 3000 वोटों से हार गए थे। 2014 में, वह भाजपा उम्मीदवार के रूप में डिब्रूगढ़ से सांसद चुने गए। 2019 के भारतीय आम चुनावों में, वह डिब्रूगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से सांसद चुने गए। रामेश्वर तेली 2014 से 2024 तक डिब्रूगढ़ (लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र) का प्रतिनिधित्व करने वाले लोकसभा सांसद थे।

2031 में भी सत्ता में लौटेगी भाजपा, अगले 5 वर्षों तक चलेगी हिमंत सरकार : रंजीत दास

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए एनडीए उम्मीदवार रंजीत कुमार दास ने मंगलवार को विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में भाजपा आगामी 15 वर्षों तक असम में सत्ता में बनी रहेगी। गुवाहाटी में शपथ ग्रहण समारोह से पहले पत्रकारों से बातचीत करते हुए दास ने कहा कि यह असम के लिए एक सौभाग्यपूर्ण दिन है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता ने एक बार फिर हिमंत विश्व शर्मा को असम के विकास को नई गति देने के लिए चुना है। उन्होंने कहा कि देशभर से लगभग 20 मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति इस समारोह के महत्व को दर्शाती है और यह असम की बढ़ती राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक है। भाजपा के भविष्य को लेकर भरोसा जताते हुए दास ने दावा किया कि वर्ष 2031 में भी राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार अगले 15 वर्षों तक राज्य की सेवा करती रहेगी। विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दास ने कहा कि मुख्यमंत्री ने उन पर जो विश्वास जताया है, उससे वह स्वयं को सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं।

अजंता नेउग : लगातार दूसरी बार बनीं मंत्री, राज्य की प्रमुख महिला नेता

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता अजंता नेउग ने मंगलवार को असम में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार बनने के बाद लगातार दूसरी बार मंत्री पद की शपथ ली। गुवाहाटी में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। राज्य में लगातार तीसरी बार सरकार बनने पर उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। 103 नंबर गोलाघाट विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली अजंता नेउग को असम की प्रमुख महिला नेताओं में गिना जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली पिछली सरकार में उन्होंने वित्त तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की जिम्मेदारी संभाली थी। वह असम की पहली महिला वित्त मंत्री भी बनी थीं। वर्ष 2001 से लगातार पांच बार गोलाघाट से विधायक निर्वाचित हो चुकीं अजंता नेउग राज्य की सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाली महिला विधायक भी हैं। दिसंबर 2020 में भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने से पहले उन्होंने लोक निर्माण, शहरी विकास और आवास जैसे कई महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभाली थी। गुवाहाटी में जन्मीं अजंता नियोग ने गौहाटी विश्वविद्यालय से एमए, एलएलबी और एलएलएम की शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने गौहाटी उच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में भी कार्य किया। वह हैंडिक गर्ल्स कालेज की पूर्व छात्रा भी हैं।

असम सरकार के मंत्री बने अतुल बोरा का राजनीतिक सफरनामा

गुवाहाटी (हिंस)। असम गण परिषद (अगप) के अध्यक्ष अतुल बोरा ने मंगलवार को गुवाहाटी में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में लगातार तीसरी बार मंत्री पद की शपथ ली। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री सहित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। अतुल बोरा असम की क्षेत्रीय राजनीति के प्रमुख नेताओं में गिने जाते हैं। वह वर्ष 2016 से बोकाखात विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इससे पहले वह 1996 से 2001 तक गोलाघाट विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे। उन्होंने राज्य सरकार में कृषि, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा, शहरी विकास तथा नगर एवं ग्राम नियोजन जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभाली है। बोरा का जन्म गोलाघाट जिले के बोराही गांव में 7 अप्रैल, 1960 में सुतिया समुदाय के एक परिवार में हुआ था। वे मेहुराम बोरा और पुण्य प्रभा बोरा के सबसे बड़े बेटे हैं। उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा सराईमोरिया एलपी स्कूल और तोरफत एमई स्कूल से पूरी की। इसके बाद, उन्होंने कचारीहाट हाई स्कूल में दाखिला लिया, जहां उन्होंने एचएसएलसी परीक्षा उत्तीर्ण की। तत्पश्चात, उन्होंने गोलाघाट के देबराज रॉय कॉलेज में प्रवेश लिया और स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद गौहाटी विश्वविद्यालय में दाखिला लेकर राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने गौहाटी विश्वविद्यालय लॉ कॉलेज से एलएलबी की डिग्री भी हासिल की। गोलाघाट जिले में जन्मे अतुल बोरा छात्र जीवन से ही असम आंदोलन से जुड़े रहे। उन्होंने अखिल असम छात्र संघ (आसू) में महासचिव और अध्यक्ष सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। वर्ष 1995 में उन्होंने असम गण परिषद के साथ सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया। बाद में वह पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष बने और वर्ष 2014 में अगप के अध्यक्ष का दायित्व संभाला। वर्ष 2016 के विधानसभा चुनाव में बोकाखात सीट से जीत के बाद उन्हें पहली बार राज्य मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था। तब से लगातार मंत्री हैं।

कुर्बानी ईद से पहले धुबड़ी में मवेशियों की बड़ी खेप पकड़ी गई

धुबड़ी (विभास)। कुर्बानी ईद के पहले-पहले जिले के अंतर्गत छागोलीया पुलिस ने 11 मई को एक गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान में मवेशी तस्करी की एक बड़ी खेप को विफल कर दिया। सोमवार की सुबह करीब 7 बजे छागोलीया के उप निरीक्षक ज्योतिराज बेजबरुवा के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने 17 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर तलाशी के दौरान उत्तर प्रदेश-21-टी-7475 नंबर की एक अमूल्य दूध ले जाने वाले वातानाकुलित कंटेनर को रोका और तलाशी लेने पर उसमें से 17 मवेशी को छुड़वाने में सफलता हासिल की। इस संबंध में पुलिस ने तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्तियों में उत्तर प्रदेश के रामपुर के निवासी मोहम्मद यूनुस (33), मुजफ्फरनगर के मोहम्मद फरमान और हरियाणा के निवासी मोहम्मद मोहसिन शामिल हैं। प्राथमिक जांच के अनुसार इन मवेशियों को बिहार से धुबड़ी जिले के गौरीपुर के रास्ते ग्वालपाड़ा जिले के जलेश्वर ले जाया जा रहा था । पुलिस की मानें तो इन मवेशियों को अवैध रूप से बांग्लादेश भेजने की पूरी योजना थी।

रंगिया महकमा सिविल अस्पताल प्रांगण में विश्व नर्स दिवस मनाया गया

रंगिया (विभास)। दया और सेवा की मूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल, जिन्हें *द लेडी विद द लैंप* के नाम से जाना जाता है, के जन्मदिन के अवसर पर मंगलवार को रंगिया में भी विश्व नर्स दिवस मनाया गया। इस मौके पर विभिन्न स्थानों के अलावा रंगिया महकमा सिविल अस्पताल परिसर में दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके बाद चिकित्सालय के उप अधीक्षक डॉ. दिलीप कुमार वैश्य के संचालन में आयोजित खुली बैठक में महकमा चिकित्सा अधिकारी डॉ. पद्मेश्वर कलिता, डॉ. नीलमणि कलिता एवं डॉ. गौरांग मेधी सहित कई लोगों ने नर्स दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए भाषण दिया। वर्णाली कलिता द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। गीत और कविता प्रस्तुतियों से सजी इस समारोह में डॉ. दिलीप कुमार वैश्य, डॉ. पद्मेश्वर कलिता, डॉ. गौरांग मेधी, डॉ. अशोक कलिता, डॉ. सर्नभ संधिके, मेट्रन शेवाली देवी, सेवानिवृत्त सहायता मेट्रन रशीदा बेगम, सहायक मेट्रन प्रणिता तालुकदार तथा स्वास्थ्य कर्मी विभूति बशिष्ठ और अमूल्य वैश्य को सम्मानित किया गया। असम संगीत के साथ समापन हुए कार्यक्रम में महान फ्लोरेंस नाइटिंगेल के प्रति चिकित्सालय के चिकित्सक और सभी कर्मचारियों ने अपनी श्रद्धा अर्पित की।

डॉ. मोहन भागवत असम प्रवास पर आज पहुंचेंगे गुवाहाटी

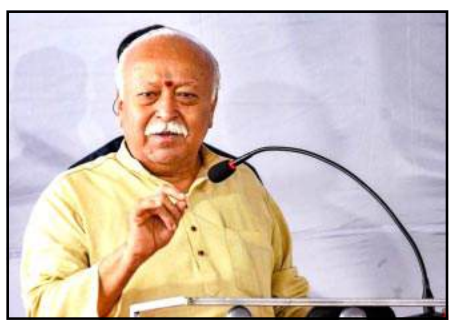

गुवाहाटी (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 13 मई को असम पहुंचेंगे। बुधवार शाम को गुवाहाटी के बोरझार स्थित लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से डॉ. मोहन भागवत सीधे होजाई के लिए रवाना होंगे। इसकी जानकारी आज आरएसएस के उत्तर असम प्रांत के प्रचार प्रमुख किशोर शिवम ने दी है। होजाई के संस्कार मंदिर परियोजना परिसर में 11 मई से 1 जून तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता विकास वर्ग- एक (दूसरे वर्ष) प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ हुआ है। 14, 15 और 16 मई को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता विकास वर्ग- एक के प्रशिक्षण शिविर में डॉ. मोहन भागवत तीन दिन उपस्थित रहेंगे और 17 मई की सुबह गुवाहाटी लौट आएंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशिक्षण वर्ग में सरसंघचालक के नियमित प्रवास का यह विशेष हिस्सा है। किशोर शिवम ने बताया कि होजाई के प्रशिक्षण प्रवास को पूरा करते हुए डॉ. मोहन भागवत 17 मई को गुवाहाटी के बरबरी स्थित सुदर्शनालय में कुछ समय रुकने के बाद नागपुर की ओर प्रस्थान करेंगे। उल्लेखनीय है कि होजाई के संस्कार मंदिर परियोजना परिसर में 11 मई से शुरू हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता विकास वर्ग-एक के 20 दिन के प्रशिक्षण शिविर का समापन 1 जून को होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के असम क्षेत्र द्वारा संचालित उक्त प्रशिक्षण में संघ शिक्षा वर्ग का प्रशिक्षण लेने वाले स्वयंसेवक ही कार्यकर्ता विकास वर्ग -एक के प्रशिक्षण में भाग ले सकते हैं। प्रशिक्षण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के असम क्षेत्र के उत्तर असम, दक्षिण असम, त्रिपुरा, मणिपुर और अरुणाचल सहित पांच प्रांतों के कुल 103 स्वयंसेवक हिस्सा ले रहे हैं। असम क्षेत्र के अंतर्गत उत्तर असम प्रांत के 56, त्रिपुरा प्रांत के 20, मणिपुर प्रांत के 13, दक्षिण असम प्रांत के 8 और अरुणाचल प्रांत के 6 स्वयंसेवक प्रशिक्षण में भाग ले रहे हैं।

धुबड़ी : ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी जिले के गौरीपुर थानांतर्गत मधुसॉलमारी इलाके में पुलिस द्वारा चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस सूत्र के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान बोलन राय के रूप में की गई है। जो मधु सॉलमारी इलाके का निवासी बताया जाता है। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से नशीले पदार्थ से भरे सात कंटेनर बरामद किए। इस दौरान पकड़े गए तस्कर अन्य दो साथी मौके का फायदा उठाकर भाग निकले। बताया जाता है है कि बरामद ड्रग्स का कुल वजन 6.76 ग्राम है। घटना के बाद गिरफ्तार तस्कर को गौरीपुर थाने में लाया गया, जहां उससे कडाई से पूछताछ की जा रही है।

जिला आयुक्त की उपस्थिति में बटद्रवा सत्र प्रबंधन समिति की विशेष आमसभा संपन्न

नगांव (निसं)। नगांव जिले के बटद्रवा थान-सत्र परिसर में पॉलीथिन एवं प्लास्टिक सामग्री के उपयोग को पूर्णत: बंद करने का निर्णय थान प्रबंधन समिति ने लिया है। आकाशी गंगा तट स्थित आई खेर्सुति सांस्कृतिक मंच पर आयोजित बटद्रवा थान प्रबंधन समिति की एक विशेष आमसभा में यह निर्णय लिया गया। जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा की उपस्थिति में आयोजित इस सभा में एक अन्य महत्वपूर्ण प्रस्ताव के तहत गुरुजन की इस पवित्र तीर्थस्थली में पारंपरिक गीत, भाओना तथा सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण और शुद्ध अभ्यास को बनाए रखने के लिए एक सांस्कृतिक उपसमिति के गठन का निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार नगांव जिला आयुक्त की देखरेख में गत वर्ष 2 नवंबर को गठित नई प्रबंधन समिति की पहल तथा समिति की निर्धारित नियमावली के आधार पर इस महत्वपूर्ण सभा का आयोजन किया गया था। सभा में नगांव जिला आयुक्त शर्मा के अलावा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष तथा नरोवा सत्र के सत्राधिकार अम्लान ज्योति देव गोस्वामी, साधारण सचिव लाचित बरदलाई सहित बटद्रवा थान प्रबंधन समिति के सदस्य और अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभा में बटद्रवा की मूल घोषा, बरगीत तथा नृत्य-वाद्य जैसी सांस्कृतिक धरोहरों को सुरक्षित रखते हुए उनके शुद्ध स्वरूप में संरक्षण और अभ्यास के लिए *संस्कृति चर्चा उपसमिति* गठित करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही असमिया भाओना की दुर्लभ पांडुलिपियों के संग्रहण तथा देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव और बटद्रवा थान के इतिहास पर आधारित एक अंग्रेजी ग्रंथ तैयार करने का भी विशेष प्रस्ताव पारित किया गया। केवल सांस्कृतिक क्षेत्र ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक वातावरण को हरित और प्रदूषणमुक्त बनाए रखने पर भी सभा में विशेष जोर दिया गया।

विद्या भारती संस्कारयुक्त एवं राष्ट्रनिष्ठ शिक्षा प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही : डॉ. विभास देब

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की वार्षिक साधारण सभा अगरतला में संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में आयोजित विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के वार्षिक साधारण सभा में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लेते हुए त्रिपुरा के महाराजा बीर बिक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विभास देब ने कहा कि विद्या भारती पूर्वोत्तर भारत के दूरस्थ क्षेत्रों में संस्कारयुक्त एवं राष्ट्रनिष्ठ शिक्षा प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। उन्होंने शिक्षा को चरित्र निर्माण एवं राष्ट्रीय एकता का आधार बताया। शिशु शिक्षा समिति, असम के प्रचार संयोजक मुकुटेश्वर गोस्वामी ने अगरतला से गुवाहाटी लौटने के बाद आज बताया कि वार्षिक साधारण सभा का आयोजन दो दिवसीय 10 और 11 मई को हुआ था। गोस्वामी ने बताया कि विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की वार्षिक साधारण सभा (2026-27) का उद्घाटन समारोह त्रिपुरेश्वरी विद्यामंदिर, गांधीग्राम, अगरतला (त्रिपुरा) में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी प्रांतों के प्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। स्वागत उद्बोधन में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के सचिव डॉ. जगदीन्द्र रायचौधुरी ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए वर्षभर में हुई गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के अध्यक्ष एवं त्रिपुरा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. गंगा प्रसाद परसाई ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन तथा

संपादकीय

राजनीति के दो बिंब

यह भारतीय राजनीति का सबसे नाजुक दौर है। विपक्ष के लिए तो अग्नि-परीक्षा का समय है, लिहाजा बंगाल का 'केसरिया जनादेश' क्यों जरूरी था, अब यह समझ में आ रहा है। 'वाशिंगटन पोस्ट', 'द इकोनॉमिस्ट', 'वॉल स्ट्रीट जनरल' सरीखे अमरीकी मीडिया में विश्लेषण छप रहे हैं कि भारत में प्रधानमंत्री मोदी को जो जनादेश मिले हैं, जितनी संख्या में वोट दिए गए हैं, वे वाकई अद्वितीय हैं। अर्थात किसी अन्य विश्व-नेता को इतने जनादेश हासिल नहीं हैं। इन विश्लेषणों के ये निष्कर्ष भी दिए गए हैं कि भारत 'एकदलीय' लोकतंत्र की ओर बढ़ रहा है। यह निष्कर्ष बिल्कुल गलत है, क्योंकि अब भी कई राज्यों में भाजपा 'नगण्य' है और वहां विपक्ष की सरकारें हैं। बहरहाल बंगाल के शपथ-ग्रहण समारोह के मंच से दो बिंब आंखों में ही बस गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा के सबसे बुजुर्ग और पुराने कार्यकर्ता, 98 वर्षीय माखन लाल सरकार के पांव छुए और फिर उन्हें शॉल ओढ़ा कर गले लगा लिया। कितना संस्कारी और प्रेरक संदेश अभिव्यक्त हुआ होगा? माखनलाल 'जनसंघ' के संस्थापक और सर्वप्रथम नेहरू कैबिनेट में उद्योग-वाणिज्य मंत्री रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सहयोगी रहे हैं। उनके 'कश्मीर आंदोलन' के सहभागी रहे हैं और वहां 'तिरंगा' फहराने के कथित अपराध में उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। यह बिंब इतिहास और वर्तमान के संगम को साफ करता है। चूंकि बंगाल में पहली बार 'केसरिया सत्ता' हासिल हुई है, लिहाजा ऐतिहासिक क्षण थे, लिहाजा भाजपा के बहुत पुराने चेहरों को भी याद किया गया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने मंच पर ही दंडवत प्रणाम कर बंगाल की जनता का आभार जताया कि उसकी बदौलत ही 'भगवा सरकार' आज सामने है। यह है भारत के लोकतंत्र की ताकत! ममता बनर्जी भी आत्मचिंतन कर रही होंगी! यह प्रधानमंत्री मोदी की 'विशुद्ध राजनीति' हो सकती है, लेकिन हमने चार दशक से अधिक की पत्रकारिता के दौरान किसी अन्य प्रधानमंत्री को ऐसी मुद्रा में नहीं देखा। आखिर वे भी राजनीति के जरिए ही प्रधानमंत्री बने थे। बहरहाल अब हालात ये हैं कि तृणमूल कांग्रेस के 14-15 सांसद ही गायब बताए जा रहे हैं। वे चुनाव में बिल्कुल निष्क्रिय रहे। यही नहीं, कुछ नवनिर्वाचित विधायकों ने ही 'दीदी' को आंख दिखाना शुरू कर दिया है। सवाल है कि चुनावी पराजय के बाद तृणमूल क्या बिखराव के मुहाने पर है? तृणमूल का बिखराव या टूटन अपनी जगह है, लेकिन विपक्ष का 'इंडी' गठबंधन आज कहां है? तमिलनाडु में द्रमुक की पराजय क्या हुई कि उसके गठबंधन में 'सत्ता की मलाई' चाटने वाले घटक-कांग्रेस, सीपीआई, सीपीएम, वीसीके, आईयूएमएल आदि-छलांग लगा कर, पाला बदल कर, 'टीवीके' के समर्थन में चले गए। द्रमुक अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन ने इसे पीठ में छुरा घोंपने वाला विश्वासघात करार दिया है। यही नहीं, लोकसभा में द्रमुक सांसद कनिमोझी ने स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिख कर आग्रह किया है कि उनकी सीटें बदल दी जाएं, क्योंकि अब कांग्रेस के साथ उनका गठबंधन नहीं रहा। सवाल है कि 'इंडी' गठबंधन हमेशा ताश के पत्तों की तरह बिखरा हुआ क्यों रहता है? बेशक उद्धव ठाकरे की शिवसेना हो या हेमंत सोरेन का झामुमो अथवा केजरीवाल की आम आदमी पार्टी और चुनाव तक ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस रही हो, सभी नेता विरोधाभासी, एक-दूसरे के खिलाफ आरोपिया बयान देते रहे हैं। अक्सर चुनाव भी साथ-साथ नहीं, एक-दूसरे के खिलाफ, लड़ते रहे हैं। फिर 'इंडी' का राग क्यों अलापा जाता रहा है? 'इंडी' नेताओं की गाहे-बगाहे बैठकें तो होती हैं, लेकिन वे आपस में ही खाई खोदते रहे हैं। 'इंडी' का कोई संयोजक नहीं, कोई सचिवालय नहीं, साझा न्यूनतम कार्यक्रम नहीं, अलबत्ता मोदी-विरोध के मुद्दे पर उनकी बाहें हवा में लहराती रही हैं। यदि यही स्थिति रही, तो 2029 के लोकसभा चुनाव का बिंब स्पष्ट दिखाई दे रहा है। तब तक आधी पार्टियां जेल में होंगी और आधी पार्टियां समझौता कर भाजपा-एनडीए में विलीन हो चुकी होंगी। लिहाजा अभी वक्त है कि विपक्ष को सबक सीखना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा के सबसे बुजुर्ग और पुराने कार्यकर्ता, 98 वर्षीय माखन लाल सरकार के पांव छुए और फिर उन्हें शॉल ओढ़ा कर गले लगा लिया। कितना संस्कारी और प्रेरक संदेश अभिव्यक्त हुआ होगा? माखनलाल 'जनसंघ' के संस्थापक और सर्वप्रथम नेहरू कैबिनेट में उद्योग-वाणिज्य मंत्री रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सहयोगी रहे हैं। उनके 'कश्मीर आंदोलन' के सहभागी रहे हैं और वहां 'तिरंगा' फहराने के कथित अपराध में उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। यह बिंब इतिहास और वर्तमान के संगम को साफ करता है। चूंकि बंगाल में पहली बार 'केसरिया सत्ता' हासिल हुई है, लिहाजा ऐतिहासिक क्षण थे, लिहाजा भाजपा के बहुत पुराने चेहरों को भी याद किया गया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने मंच पर ही दंडवत प्रणाम कर बंगाल की जनता का आभार जताया कि उसकी बदौलत ही 'भगवा सरकार' आज सामने है। यह है भारत के लोकतंत्र की ताकत! ममता बनर्जी भी आत्मचिंतन कर रही होंगी! यह प्रधानमंत्री मोदी की 'विशुद्ध राजनीति' हो सकती है, लेकिन हमने चार दशक से अधिक की पत्रकारिता के दौरान किसी अन्य प्रधानमंत्री को ऐसी मुद्रा में नहीं देखा।

कूड़े के ढेर में भोजन तलाशती गायें, प्लास्टिक निगलते बछड़े, सड़कों पर भटकते पशु और गंदगी से जूझती आबादी

सड़कों पर दम तोड़ती गायें

प्रियंका सौरभ

भारत के लगभग हर छोटे-बड़े शहर की एक भयावह तस्वीर अब आम होती जा रही है—कूड़े के ढेर में भोजन तलाशती गायें, प्लास्टिक निगलते बछड़े, सड़कों पर भटकते पशु और गंदगी से जूझती आबादी। एक तरफ समाज गाय को "माता" कहकर पूजता है, दूसरी तरफ वही गायें भूख, बीमारी और लापरवाही के कारण सड़कों पर दम तोड़ रही हैं। यह केवल सफाई व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संवेदनहीनता और दोहरे चरित्र का जीवंत प्रमाण है। आज देश के अधिकांश शहरों में सुबह का दृश्य लगभग एक जैसा होता है। दूध निकालने के बाद पशुपालक अपनी गायों को खुला छोड़ देते हैं। ये पशु फिर गलियों, बाजारों और कूड़े के ढेरों में भोजन तलाशते घूमते रहते हैं। सड़ी सब्जियाँ, प्लास्टिक की थैलियाँ, मेडिकल वेस्ट और जहरीला कचरा इनके पेट में जाता है। धीरे-धीरे यही जहर उनकी मौत का कारण बनता है। कई बार ऑपरेशन में गायों के पेट से कई किलो प्लास्टिक निकलता है, लेकिन समाज की संवेदनाएँ फिर भी नहीं जागतीं। सबसे बड़ा सवाल उन पशुपालकों से है जो पशु को केवल "दूध देने वाली मशीन" समझते हैं। जब तक गाय से कमाई होती है, तब तक उसकी पूजा होती है, लेकिन जैसे ही वह सड़कों पर छोड़ दी जाती है, उसकी जिम्मेदारी खत्म मान ली जाती है। यह लालच और अमानवीयता का सबसे कुरूप चेहरा है। जिस पशु से घर चलता है, बच्चों की फीस भरती है और परिवार की आय बनती है, उसी को कचरे में मुंह मारने के लिए छोड़ देना किस संस्कृति और किस धर्म का हिस्सा है? विडंबना यह है कि गाय के नाम पर देश में सबसे ज्यादा भावनाएँ भड़काई जाती हैं। राजनीति से लेकर धार्मिक मंचों तक "गौ माता" का जयकारा लगाया जाता है। सोशल मीडिया पर लोग गाय को रोटी खिलाते हुए वीडियो डालते हैं और खुद को बड़ा पशु प्रेमी साबित करते हैं। लेकिन यदि सच में गाय के प्रति प्रेम और सम्मान होता, तो शहरों की सड़कों पर कोई गाय भूखी, घायल या प्लास्टिक खाते दिखाई नहीं देती। आज हालात इतने खराब हो चुके हैं कि शहरों में आवारा पशु केवल अपनी जान ही नहीं गंवा रहे, बल्कि आम लोगों की जान के लिए भी खतरा बनते जा रहे हैं। सड़क दुर्घटनाओं में हर साल हजारों लोग घायल होते हैं। रात के अंधेरे में अचानक सामने आए पशु कई बार जानलेवा हादसों का कारण बनते हैं। लेकिन न प्रशासन गंभीर दिखता है और न समाज। नगर निगम और स्थानीय प्रशासन समय-समय पर अभियान चलाने की बातें करते हैं, लेकिन समस्या जड़ से कभी हल नहीं होती। कुछ पशु पकड़कर गौशालाओं में भेज दिए जाते हैं, कुछ दिनों तक कार्रवाई दिखाई जाती है और फिर सब पहले जैसा हो जाता है। असल समस्या यह है कि पशुपालकों की जवाबदेही तय ही नहीं की जाती। यदि कोई व्यक्ति अपने पशु को सड़क पर छोड़ता है, तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई क्यों नहीं होती? यह संकट केवल पशुओं तक सीमित नहीं है। शहरों में फैला कचरा

दूध निकालने के बाद पशुपालक अपनी गायों को खुला छोड़ देते हैं। ये पशु फिर गलियों, बाजारों और कूड़े के ढेरों में भोजन तलाशते घूमते रहते हैं। सड़ी सब्जियाँ, प्लास्टिक की थैलियाँ, मेडिकल वेस्ट और जहरीला कचरा इनके पेट में जाता है। धीरे-धीरे यही जहर उनकी मौत का कारण बनता है। कई बार ऑपरेशन में गायों के पेट से कई किलो प्लास्टिक निकलता है, लेकिन समाज की संवेदनाएँ फिर भी नहीं जागतीं। सबसे बड़ा सवाल उन पशुपालकों से है जो पशु को केवल "दूध देने वाली मशीन" समझते हैं। जब तक गाय से कमाई होती है, तब तक उसकी पूजा होती है, लेकिन जैसे ही वह सड़कों पर छोड़ दी जाती है, उसकी जिम्मेदारी खत्म मान ली जाती है। यह लालच और अमानवीयता का सबसे कुरूप चेहरा है।

और गंदगी अब सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बन चुकी है। खुले कूड़े के ढेर मच्छरों, मक्खियों और संक्रमण का घर बनते जा रहे हैं। बारिश में यही कचरा नालियाँ जाम करता है और जलभराव के साथ बीमारियों का संकट पैदा करता है। लेकिन हम सफाई को अब भी केवल सरकारी जिम्मेदारी मानकर अपने कर्तव्यों से बच निकलना चाहते हैं। भारत "स्मार्ट सिटी" और आधुनिक विकास के बड़े-बड़े दावे करता है। चमकती सड़कें, बड़े मॉल और ऊँची इमारतें विकास का प्रतीक बन गई हैं। लेकिन असली विकास वह होता है जहाँ इंसान और पशु दोनों सम्मान और सुरक्षा के साथ जी सकें। जिस शहर में गायें कूड़े में भोजन तलाशती हों और लोग उस दृश्य को सामान्य मानकर गुजर जाएँ, वहाँ विकास केवल दिखावा है। हमारी सबसे बड़ी समस्या यह है कि हमने संवेदनशीलता को प्रदर्शन में बदल दिया है। कैमरे के सामने दया दिखाना आसान है, लेकिन व्यवस्था बदलने की मांग करना कठिन। लोग मंदिरों में दान देते हैं, धार्मिक यात्राएँ करते हैं, गाय के नाम पर बहस करते हैं, लेकिन अपने आसपास फैली गंदगी और पशुओं की बदहाली पर चुप रहते हैं। राजनीति भी इस मुद्दे पर केवल भावनात्मक लाभ उठाती रही है। चुनावों में गाय और धर्म के नाम पर भाषण दिए जाते हैं, लेकिन सड़कों पर मरती गायों के लिए ठोस नीति कहीं दिखाई नहीं देती। गौशालाओं के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च होने के दावे होते हैं, फिर भी शहरों में बेसहारा पशुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। आखिर यह पैसा कहाँ जा रहा है? जवाबदेही कौन तय करेगा? सबसे दुखद बात यह है कि बच्चों की पीढ़ी अब इस अमानवीय दृश्य की आदी होती जा रही है। रोज़ सड़क पर घायल पशु, कूड़े में भोजन तलाशती गायें और गंदगी का माहौल देखकर संवेदनाएँ धीरे-धीरे मरने लगती हैं। एक समाज जो अपने पशुओं तक के प्रति दयालु नहीं रह पाता, वह इंसानों के प्रति भी लंबे समय तक मानवीय नहीं रह सकता। समाधान स्पष्ट है, बस इच्छाशक्ति की जरूरत है। सबसे पहले पशुपालकों की जिम्मेदारी तय करनी होगी। हर पशु का पंजीकरण अनिवार्य हो और पशु को सड़क पर छोड़ने पर भारी जुर्माना लगाया जाए। नगर निकायों को आधुनिक कचरा प्रबंधन प्रणाली लागू करनी चाहिए। प्लास्टिक के खुले उपयोग और कचरे के गलत निस्तारण पर सख्ती जरूरी है। गौशालाओं की वास्तविक स्थिति का पारदर्शी ऑडिट होना चाहिए। साथ ही समाज को भी अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा। सड़क पर कचरा फेंकना, प्लास्टिक खुले में छोड़ना और हर समस्या के लिए केवल सरकार को दोष देना आसान रास्ता है। शहर नागरिक अनुशासन और सामूहिक जिम्मेदारी से बदलते हैं। आज सड़कों पर फैला कचरा और उसमें भोजन तलाशती गायें केवल बदइंतजामी का दृश्य नहीं हैं। यह हमारे समाज के नैतिक पतन का आईना हैं। गायों के नाम पर शोर बहुत है, लेकिन उनकी वास्तविक पीड़ा पर खामोशी उससे भी बड़ी है। जब तक यह दोहरी मानसिकता खत्म नहीं होगी, तब तक न शहर सच में स्वच्छ होंगे, न पशु सुरक्षित होंगे और न ही हमारा समाज संवेदनशील कहलाने योग्य बचेगा।भारत के लगभग हर छोटे-बड़े शहर की एक भयावह तस्वीर अब आम होती जा रही है—कूड़े के ढेर में भोजन तलाशती गायें, प्लास्टिक निगलते बछड़े, सड़कों पर भटकते पशु और गंदगी से जूझती आबादी। एक तरफ समाज गाय को "माता" कहकर पूजता है, दूसरी तरफ वही गायें भूख, बीमारी और लापरवाही के कारण सड़कों पर दम तोड़ रही हैं। यह केवल सफाई व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संवेदनहीनता और दोहरे चरित्र का जीवंत प्रमाण है। आज देश के अधिकांश शहरों में सुबह का दृश्य लगभग एक जैसा होता है। दूध निकालने के बाद पशुपालक अपनी गायों को खुला छोड़ देते हैं। ये पशु फिर गलियों, बाजारों और कूड़े के ढेरों में भोजन तलाशते घूमते रहते हैं। सड़ी सब्जियाँ, प्लास्टिक की थैलियाँ, मेडिकल वेस्ट और जहरीला कचरा इनके पेट में जाता है। धीरे-धीरे यही जहर उनकी मौत का कारण बनता है। कई बार ऑपरेशन में गायों के पेट से कई किलो प्लास्टिक निकलता है, लेकिन समाज की संवेदनाएँ फिर भी नहीं जागतीं। सबसे बड़ा सवाल उन पशुपालकों से है जो पशु को केवल "दूध देने वाली मशीन" समझते हैं। जब तक गाय से कमाई होती है, तब तक उसकी पूजा होती है, लेकिन जैसे ही वह सड़कों पर छोड़ दी जाती है, उसकी जिम्मेदारी खत्म मान ली जाती है। यह लालच और अमानवीयता का सबसे कुरूप चेहरा है। जिस पशु से घर चलता है, बच्चों की फीस भरती है और परिवार की आय बनती है, उसी को कचरे में मुंह मारने के लिए छोड़ देना किस संस्कृति और किस धर्म का हिस्सा है? विडंबना यह है कि गाय के नाम पर देश में सबसे ज्यादा भावनाएँ भड़काई जाती हैं। राजनीति से लेकर धार्मिक मंचों तक "गौ माता" का जयकारा लगाया जाता है। सोशल मीडिया पर लोग गाय को रोटी खिलाते हुए वीडियो डालते हैं और खुद को बड़ा पशु प्रेमी साबित करते हैं। लेकिन यदि सच में गाय के प्रति प्रेम और सम्मान होता, तो शहरों की सड़कों पर कोई गाय भूखी, घायल या प्लास्टिक खाते दिखाई नहीं देती। आज हालात इतने खराब हो चुके हैं कि शहरों में आवारा पशु केवल अपनी जान ही नहीं गंवा रहे, बल्कि आम लोगों की जान के लिए भी खतरा बनते जा रहे हैं।

कुछ | अलग

राष्ट्र निर्माण

झुन्नू लाल कई महीनों से अपने घर से लापता थे। उनकी धर्मपत्नी को भी ख़बर न थी। जब भी पूछतीं तो झुन्नू उन्हें किसी राज्य का नाम बता देते, जैसे बंगाल, असम वगैरह। चार महीने बाद जब वह मिले तो उनके हाथ में एक ल_ देखकर मैं चकित रह गया। पूछने पर बोले कि संगठन के काम से पिछले तीन महीने से उन राज्यों के दौरे पर था, जहां चुनाव प्रस्तावित थे। यह विरोधियों के ख़ून और कार्यकर्ताओं के पसीने का ही कमाल था कि पार्टी ने जहां चाहा, वहीं जीती। मैंने पूछा, 'आप अपने साथ इतना बड़ा ल_ लेकर क्यों चल रहे हैं। क्या कोई ख़तरा है, जब सरकार भी आपकी है और देश भी आपका।' वह खीसें निपोरते हुए बोले, 'जब सरकार हमारी तो हमें क्या ख़तरा। पर तुम बड़े तटस्थ बने फिरते हो। समय रहते हमारी तरफ आ जाओ, फिर मत कहना कि किसी ने तुम्हें चेताया नहीं था। अगर किसी ने तुम्हारा सिर फोड़ दिया, घर में लूटपाट हुई या बीवी-बेटी को छेड़ दिया, तो हमें दोष मत देना। अभी हम विरोधियों को ठिकाने लगा रहे हैं। हमारे विरोध का मतलब राष्ट्रविरोध। तटस्थता का अब कोई लाभ नहीं। इस तरफ रहना है या उस तरफ, फैसला तुम्हारा है। पर अच्छे पड़ोसी होने के नाते मेरा आग्रह है कि तुम हमारे पाले में आ जाओ, अभी समर शेष है। हमारे पास मोटिव है। हमें समूची भारतभूमि पर कब्जानी है। दिनकर बता गए हैं कि पाप के भागी केवल मेरे जैसे व्याध ही नहीं होंगे। तुम्हारे जैसे तटस्थ भी अपराधी कहे जाएंगे। समय किसी को क्षमा नहीं करता। पर इधर रहोगे तो सुरक्षित रहोगे, उधर रहे तो नुकसान तय है। जनता चीखे या चिल्लाए, हम कभी सिंहासन ख़ाली करने वाले नहीं।

देश | दुनीया से

भारतीय सैन्य सेवा की प्रतिज्ञा और अनुबंध के मायने

कोहिमा युद्ध स्मारक पर एक सादा-सा शिलालेख है, जिसको भारतीय भूमि पर लड़े गए भीषणतम युद्धों में एक की यादगार में लगाया था, इस पर उकेरी पंक्ति है : 'जब तुम घर लौटोगे, तो उन्हें हमारे बारे में बताना और कहना कि तुम्हारे कल के लिए, हमने अपना आज दिया'। यह कोई नारा नहीं, सच्चाई की दास्तां है। बहुत से लोगों को पहले और दूसरे विश्व युद्ध में भारतीय सैनिकों के योगदान का तो पता है, जो तीन महाद्वीपों में लड़ी गई थीं। लेकिन बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि दूसरे विश्व युद्ध की एक लड़ाई भारतीय भूमि पर भी लड़ी गई। कोहिमा की लड़ाई, जिसे 'भूला-बिसरा युद्ध' भी कहा गया था , आज दुनिया भर के सैन्य इतिहासकार इसे द्वितीय महायुद्ध के बेहतरीन सैन्य अभियानों में से एक के रूप में मानते हैं। वर्ष 1944 में, पहाड़ी की चोटी पर -जो बाद में कोहिमा की लड़ाई का पर्याय बन गयी-सैनिक इतनी नज़दीकी से लड़े कि आमने-सामने की खंदकों के बीच पड़ता टेनिस कोर्ट ही युद्ध का मैदान बन गया। वर्षों बाद वह शिलालेख न केवल प्राप्त विजय के बारे में है, बल्कि उससे कहीं अधिक गहरी चीज़ का प्रतीक बन गया : अपने आप में सैन्य सेवा की प्रकृति का। इसने कुछ नया नहीं रचा। यह तो एक प्राचीन विरासत पर मुहर लगाता है- भारतीय सैनिक की सभ्यतागत विरासत पर। ऐतिहासिक रूप से, भारतीय सैनिक सदा बलिदान देने के लिए स्वेच्छा से अग्रणी रहा है। यह खासियत मायने रखती है। आज इसका महत्व पहले से कहीं अधिक है। दूसरों के उलट, सैनिक अपनी मर्ज़ी से नौकरी नहीं छोड़ सकता, न यूनियन बना सकता है, न ही तबादले के खिलाफ़ मुक़दमा कर सकता है, और न ही वह किसी ऐसे आदेश को मानने से इनकार कर सकता है जिसकी वजह से उसकी जान भी जा सकती हो। यह महज एक जीवनशैली चुनने का मामला नहीं। जो हक अन्य नागरिकों के पास होते हैं, यह उनका कानूनन समर्पण करना है। गणतंत्र का यह एकमात्र पेशा है, जहां संविधान केवल वह चीज़ नहीं जिसके तहत आप जीते हैं, बल्कि यह वह चीज़ है

जिसके लिए आपको अपनी जान देने का आदेश भी दिया जा सकता है। इस शपथ को उसी ढांचे के अधीन रखना जिसमें सामान्य 'दायित्व-आधारित सेवा' परिभाषित की जाती है, न केवल प्रशासनिक लापरवाही, बल्कि एक 'श्रेणीगत त्रुटि' भी होगी। लेकिन सैनिक का दायित्व शरीर से आगे उसके 'स्व'में समा जाता है। वह उन सब चीज़ों को छोड़ देता है, जो बतौर नागरिक जीवन में उसको अलग पहचान देती हैं। मसलन, भाषा, जाति, धर्म, क्षेत्र, राजनीतिक पसंद और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं-ये सभी इंसान के तौर पर उसका हिस्सा तो बनी रहती हैं, लेकिन उस विस्तारित मानसिकता पर हावी नहीं हो पातीं, जिसमें वह स्वयं को ढाल चुका होता है। यह बदलाव क्रियान्वयन से जुड़ा है। गोलीबारी के बीच पहचान प्रबंधन की खातिर एकजुटता खारिज नहीं हो सकती। रेजिमेंट काम कर पाती है क्योंकि वर्दी 'स्व' की जगह कुछ बड़ा स्थापित कर देती है। पहचान अहलदा रखनी पड़ती है क्योंकि ज़िंदा रहने, कमान और भरोसे के लिए यह करना जरूरी है। अंततः सैनिक हरेक नागरिक का सैनिक बन जाता है। जब वह बाढ़, आग या हिंसा-दंगे के बाद राहत पहुंचाने किसी के द्वार पहुंचता है, तो वह उससे उसकी जाति नहीं पूछता। न ही सैनिक अपनी जाति बताता है। भारतीय समाज को बांटने वाली चीज़ें उस दहलीज पर पहुंचते ही मिट जाती हैं। वह निजी पहचान रूपी टुकड़े को वहां पहुंचने से बहुत पहले तज चुका होता है। सेवा चयन बोर्ड में भर्ती के वक्त। पासिंग-आउट परेड में। पहली बार जब वह वर्दी पहनता और समझ बन जाती है कि यह उससे क्या चाहती है। नौकरी के लिए यह त्याग वक्ती नहीं। सेवा का सबसे गहरा रूप है। दरवाज़े पर पहुंचा सैनिक बतौर एक देश आया है। बिना भेदभाव, बिना संकोच, बिना किसी शर्त के राहत पहुंचाने। भारत में सेना उन चंद संस्थाओं में से है, जहां 'अनेकता में एकता ' नारा न होकर कामकाजी अनिवार्यता है। यह उपलब्धि, हमारे गणतंत्र की बड़ी संस्थागत सफलताओं में से एक है। 'जेनरेशन ज़ेड' (1997 से 2012 के बीच पैदा हुई पीढ़ी) इसे सहज बोध से जानती है। यह पीढ़ी संस्थाओं का महिमामंडन नहीं करती। अपनी एकमात्र ज़िंदगी कैसे बिताई जाए, इस बारे में सोच-समझकर भर्ती होती है। यह पीढ़ी पहचान से भरपूर ऐसी दुनिया में पली है, जिसमें प्रत्येक मंच पर उसे बढ़िया कर दिखाना, खुद को बेहतर दिखाना पड़ता है। 'स्व' अब प्रदर्शन बन गया जो थकाऊ होता है। फिर उनका सामना वर्दी से होता है। वर्दी कहती हैः यहां, इनमें से किसी भी चीज़ के मायने नहीं। उनमें से कई के लिए, यह कोई बलिदान न होकर एक राहत है। सेना वह प्रदान करती है जो कोई नवाचार, वेतन और इन्फ्लुएंसर अर्थव्यवस्था नहीं दे सकतीः एक ऐसा उद्देश्य जो 'स्व' को अपने अंदर समाहित कर ले और उसके बदले कहीं ज़्यादा बड़ा लौटाए। नयी पीढ़ी खुद को न्योछावर करने से भाग नहीं रही। उसे तलाश है ऐसी जगह की, जहां उसका 'स्व' अंततः तिरोहित हो जाए। और वह जगह है वर्दी। आज जो युवा स्वयंसेवक आगे आता है, वह भर्ती आंकड़ों का कोई इत्तेफ़ाक नहीं, न ही किसी और युग की यादें। 'जेनरेशन ज़ेड' ने न सिर्फ अपनी रुचि से, बल्कि अपने परिवार, साथियों और आसपास के नैतिक माहौल से विरासती मूल्यों से भी आकार पाया है।

आप का | नजरीया

सोने व ईंधन का संयम

खाड़ी युद्ध से उपजे हालात व बाधित वैश्विक आपूर्ति शृंखला के बीच प्रधानमंत्री का ईंधन के उपयोग व सोने की खरीद में संयम बरतने का आह्वान निस्संदेह, वक्त की जरूरत है। लेकिन तेलंगाना के बाद बडोदरा से दूसरी बार उनके राष्ट्र को संबोधन व इसके समय को लेकर सवाल भी उठे हैं। निस्संदेह, हालात काफी दिनों से चुनौतीपूर्ण बने हैं, रुपये में तेज गिरावट व महंगे कच्चे तेल के आयात की वजह से हमारा विदेशी मुद्रा भंडार काफी दबाव में रहा है। आलोचक सवाल उठा रहे हैं कि इस घोषणा के लिये विधानसभा चुनाव परिणामों का इंतजार क्यों किया गया। कुछ लोगों का मानना है कि सत्ता शीर्ष से किया गया आह्वान कई बार देश में असुरक्षाबोध पैदा करता है, जिसका नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। दरअसल, इससे कृत्रिम संकट पैदा करने वाले तत्व भी सक्रिय हो जाते हैं। इससे चीजों की जमाखोरी और कालाबाजारी को भी बढ़ावा मिलता है। इसमें दो राय नहीं कि देश बड़ी मात्रा में कच्चा तेल व सोना आयात करता है। जाहिर बात है जब इनकी वैश्विक कीमतें बढ़ती हैं तो इन दोनों के कारण भारी दबाव देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ता है। निस्संदेह, विषम वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन की बचत, घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देना और आयात पर निर्भरता कम करना चुनौतियों से मुकाबले के लिये समझदारी भरे उपाय हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि पिछले डेढ़ माह में सरकार विधानसभा चुनावों में व्यस्त रही। इस दौरान आर्थिक प्रबंधन का मुद्दा हाशिये पर चला गया। अब इन चुनौतियों से मुकाबले के प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन लोगों से विदेशों में शादियां टालने, सोना खरीदने से बचने के लिये कहना बताता है कि रुपये में तेज गिरावट से सरकार चिंतित है। कहा जा रहा है कि बार-बार अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का दावा करने वाली सरकार को जनता से व्यवहार में संयम बरतने का आग्रह करने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी। दरअसल, आशंका यह भी है कि इन कदमों के ऐसे भी नतीजे निकल सकते हैं,जिनकी उम्मीद न की गई हो। निर्विवाद रूप से सोना भारतीय संस्कारों में है। वहीं भारत में आभूषण उद्योग लाखों लोगों की रोजी-रोटी का जरिया है। ऐसे में सोने की खरीद में गिरावट से संपन्न निवेशकों के मुकाबले श्रमिकों को ज्यादा नुकसान पहुंच सकता है। वहीं दूसरी ओर वर्क-फ्रॉम होम की नीति, काम करने वालों के बड़े तबके के लिए व्यावहारिक नहीं है। निस्संदेह, किसी भी आसन्न संकट में नागरिकों की जिम्मेदारी मायने रखती है। यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। लेकिन सवाल यह है कि मंत्रियों के कारों के काफिलों पर भी अंकुश लगेगा.. क्या शासन प्रशासन की शाहखर्ची पर लगाम लगेगी...। यदि ऐसा नहीं होता तो जनता की स्वतःस्फूर्त पहल प्रभावित होगी। वैसे भी नागरिक जिम्मेदारी एक हद तक तो प्रभावी हो सकती है,लेकिन वह किसी आपातकालीन योजना का विकल्प नहीं हो सकती। सरकार को भी अपनी आर्थिक नीतियों पर पुनर्विचार की जरूरत है। जहां तक सोने की खरीद पर संयम का सवाल है तो उससे देश में गहरा भावनात्मक लगाव जुड़ा रहा है। सोना हमारी संस्कृति, परंपरा, बचत और पारिवारिक समारोहों में गहरे तक शामिल रहा है। लेकिन सदियों से सम्मोहित करते सोने का आयात विदेशी मुद्रा भंडार पर गहरा असर डालता है। ऐसे में राष्ट्र हितों के मद्देनजर जीवन यापन करना, राष्ट्रीय कर्तव्य निभाने जैसा है। विगत में कई बार जब देश पर संकट आया तो लोगों ने राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा के लिये सोना तक दान किया। आंकड़े बताते हैं कि देश में हर साल छह सौ से सात सौ टन सोना आयात होता है, लेकिन निर्यात का प्रतिशत ना के बराबर है।

निस्संदेह, हालात काफी दिनों से चुनौतीपूर्ण बने हैं, रुपये में तेज गिरावट व महंगे कच्चे तेल के आयात की वजह से हमारा विदेशी मुद्रा भंडार काफी दबाव में रहा है। आलोचक सवाल उठा रहे हैं कि इस घोषणा के लिये विधानसभा चुनाव परिणामों का इंतजार क्यों किया गया। कुछ लोगों का मानना है कि सत्ता शीर्ष से किया गया आह्वान कई बार देश में असुरक्षाबोध पैदा करता है, जिसका नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। दरअसल, इससे कृत्रिम संकट पैदा करने वाले तत्व भी सक्रिय हो जाते हैं। इससे चीजों की जमाखोरी और कालाबाजारी को भी बढ़ावा मिलता है। इसमें दो राय नहीं कि देश बड़ी मात्रा में कच्चा तेल व सोना आयात करता है। जाहिर बात है जब इनकी वैश्विक कीमतें बढ़ती हैं तो इन दोनों के कारण भारी दबाव देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ता है। निस्संदेह, विषम वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन की बचत, घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देना और आयात पर निर्भरता कम करना चुनौतियों से मुकाबले के लिये समझदारी भरे उपाय हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि पिछले डेढ़ माह में सरकार विधानसभा चुनावों में व्यस्त रही। इस दौरान आर्थिक प्रबंधन का मुद्दा हाशिये पर चला गया। अब इन चुनौतियों से मुकाबले के प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन लोगों से विदेशों में शादियां टालने, सोना खरीदने से बचने के लिये कहना बताता है कि रुपये में तेज गिरावट से सरकार चिंतित है। कहा जा रहा है कि बार-बार अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का दावा करने वाली सरकार को जनता से व्यवहार में संयम बरतने का आग्रह करने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी। दरअसल, आशंका यह भी है कि इन कदमों के ऐसे भी नतीजे निकल सकते हैं,जिनकी उम्मीद न की गई हो। निर्विवाद रूप से सोना भारतीय संस्कारों में है।

दृष्टि | कोण

महिला आरक्षण में देरी का दोषी कौन?

नारी शक्ति वंदन विधेयक, जिसे महिला आरक्षण विधेयक भी कहते हैं, शायद पहला संविधान संशोधन विधेयक है जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शासन तंत्र संभालने के बाद पारित नहीं हो पाया। एक बार जब जीएसटी अधिनियम के संदर्भ में राज्यसभा में संख्या सरकार के पक्ष में नहीं थी, तो भी उसे पारित करवाने में सरकार सफल रही थी। प्रश्न यह है कि इस बार नारी शक्ति वंदन विधेयक क्यों पारित नहीं हो पाया। क्यों अंतिम समय में यह विधेयक गिर गया और सरकार को इससे संबद्ध अन्य दो विधेयक भी वापस लेने पड़े। इस बात को समझने के लिए हमें इस विधेयक को उसके एतिहासिक परिप्रेक्ष्य में समझना पड़ेगा। वर्ष 2023 में 'महिला आरक्षण कानून' बना जिसके अंतर्गत लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई थी। यह कानून तो बन गया, लेकिन लागू नहीं हो पाया था। इसका कारण यह रहा कि इस कानून में यह कहा गया था कि यह कानून नई जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया (निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण) के बाद ही लागू किया जा सकेगा। सर्वविदित ही है कि जनगणना वर्ष 2021 में होनी थी, जो कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित हो गई और अब उस जनगणना की प्रक्रिया जारी है, जो वर्ष 2028 से पहले पूर्ण नहीं हो सकेगी। जहां तक परिसीमन की प्रक्रिया का सवाल है, वह जनगणना पूर्ण होने पर ही की जा सकेगी, क्योंकि संसदीय क्षेत्रों और विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं का निर्धारण जनगणना के बाद ही संभव हो सकता है। ऐसे में पूर्व में बने महिला आरक्षण कानून के आधार पर व्यावहारिक रूप से महिलाओं को आरक्षण इन सभी प्रक्रियाओं (जनगणना और परिसीमन) के बाद ही संभव है, और यह काम आने वाले 2029 के चुनावों तक संभव नहीं हो सकता था। ऐसे में महिला आरक्षण कानून को जल्दी लागू करने की दृष्टि से सरकार एक नवीन महिला आरक्षण अधिनियम (नारी शक्ति वंदन विधेयक) लेकर आई, जिसमें यह प्रावधान था कि लोकसभा और विधानसभाओं के क्षेत्रों का परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर ही कर दिया जाए। यह विधेयक 17 अप्रैल 2026 को लोकसभा में दो-तिहाई

बहुमत के अभाव में पारित नहीं हो पाया और इस प्रकार महिला आरक्षण कानून के आधार पर निकट भविष्य में लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए संभव नहीं होगा। इस विषय को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन के बीच बहुत कड़ा रोष है, और साथ ही साथ महिलाओं के मन में भी इस बात की टीस है। लेकिन संविधान के अनुसार जब तक महिला आरक्षण को लागू करने के संबंध में रुकावटों को संसद के द्वारा दूर नहीं किया जाता, महिलाओं के लिए विधायिका में आरक्षण का मार्ग जल्दी नहीं खुलेगा। इस बात को समझने की आवश्यकता है कि क्या विपक्ष के पास कोई ठोस कारण है, जिसके आधार पर उन्होंने इस विधेयक के विरोध में वोट दिया, या यह विरोध मात्र राजनीति से प्रेरित है? विपक्षी दलों के इस संबंध में क्या तर्क हैं? क्या संसद से खारिज वर्तमान विधेयक में संशोधन अथवा स्पष्टीकरण कर महिला आरक्षण के मुद्दे पर कोई समाधान निकल सकता है? विपक्ष ने संसद और संसद के बाहर इस विधेयक के संबंध में कुछ तर्क सामने रखे हैं, इन तर्कों की प्रासंगिकता को भी समझने की जरूरत है। वर्तमान में जिन 230 लोकसभा सदस्यों ने विधेयक के खिलाफ वोट डाला है, उनमें से कांग्रेस, डीएमके, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस आदि शामिल हैं। विपक्षी सदस्यों खासतौर पर तमिलनाडु के महत्वपूर्ण राजनीतिक दल डीएमके का कहना है कि यदि जनसंख्या के आधार पर लोकसभा की सीटों का पुनर्वितरण होता है तो उन्हें लोकसभा में अनुपातिक रूप से कम प्रतिनिधित्व मिलेगा क्योंकि पिछले दशकों में तमिलनाडु जैसे दक्षिण के राज्यों ने सफलतापूर्वक जनसंख्या पर नियंत्रण किया है।

खाड़ी देशों में युद्ध से पेट्रोलियम संकट के बावजूद भारत की अटूट आर्थिक स्थिरता

प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व का प्रमाण : प्रेम रंजन पटेल

पटना (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि देशहित और जनहित उसके लिए सर्वोपरि है। उक्त बातें भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक प्रेम रंजन पटेल पटेल ने बयान जारी कर कहीं। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर ईरान-इजरायल युद्ध तथा खाड़ी क्षेत्र में उत्पन्न संकट के कारण अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल एवं पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में लगातार अस्थिरता और दबाव की स्थिति बनी हुई है। इसके बावजूद भारत में पेट्रोल-डीजल एवं अन्य आवश्यक पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों को नियंत्रित रखते हुए आम जनता पर किसी प्रकार का अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ने देना केंद्र सरकार की दूरदर्शी नीति, मजबूत आर्थिक प्रबंधन और जनकल्याण के प्रति संवेदनशीलता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया इस संकट से प्रभावित है, कई देशों में ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है, जिसका सीधा असर आम लोगों की दैनिक जिंदगी, परिवहन, खेती, उद्योग तथा महंगाई पर पड़ा है। लेकिन भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

के नेतृत्व वाली सरकार ने समय रहते प्रभावी कदम उठाकर देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखा। सरकार की प्राथमिकता स्पष्ट रही है कि वैश्विक संकट का बोझ देश की गरीब, मध्यम वर्गीय एवं मेहनतकश जनता पर नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली हमेशा संकट के समय निर्णायक नेतृत्व देने वाली रही है। चाहे कोरोना महामारी का कठिन दौर हो, वैश्विक आर्थिक मंदी की चुनौती हो, प्राकृतिक आपदाएं हों अथवा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न युद्ध जैसी परिस्थितियां-हर बार प्रधानमंत्री मोदी ने मजबूत इच्छाशक्ति, कुशल प्रबंधन और त्वरित निर्णय क्षमता के द्वारा देश को सुरक्षित और स्थिर रखने का कार्य किया है। भारत सरकार ने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, वैकल्पिक स्रोतों पर ध्यान देने, रणनीतिक तेल भंडारण क्षमता बढ़ाने तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित कर देशहित में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसी का परिणाम है कि आज भारत अन्य देशों की तुलना में अधिक मजबूती के साथ इस संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह सरकार केवल आंकड़ों की राजनीति नहीं करती, बल्कि आम लोगों की परेशानियों को समझते हुए संवेदनशील निर्णय लेती है। गरीबों, किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों एवं मध्यम वर्ग के हितों की रक्षा करना ही मोदी सरकार की प्राथमिकता है। जनता का विश्वास भी लगातार इस कारण मजबूत हुआ है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर चुनौती में देशवासियों के साथ खड़े दिखाई दिये हैं। उन्होंने कहा कि आज जरूरत इस बात की है कि सभी देशवासी राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखते हुए एकजुट रहें तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर, मजबूत और सुरक्षित भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। मोदी सरकार संकट को अवसर में बदलते हुए भारत को वैश्विक स्तर पर आर्थिक एवं रणनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

हिसार के आजाद नगर में पेयजल संकट पर महिलाओं ने किया प्रदर्शन

हिसार (हिंस)। शहर के आजाद नगर में पिछले काफी समय से पेयजल की तंगी चल रही है। क्षेत्रवासियों ने अनेक बार अधिकारियों को अवगत करवाया लेकिन समाधान नहीं हुआ। इसको देखते हुए पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति (आजाद नगर) की महिला प्रधान दर्शना ओला के नेतृत्व में मंगलवार को अमर विहार कॉलोनी फेज-3 की महिलाओं ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग पहुंचकर विरोध जताया। महिलाओं ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। महिलाओं ने रोष जताते हुए कहा कि अमर विहार कॉलोनी फेज-3 में पीने का पानी बिल्कुल नहीं आ रहा है। हालात इतने खराब हैं कि जनता को अपनी जेब से पैसे खर्च कर पानी के टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं। दर्शना ओला ने कहा कि पब्लिक हेल्थ मंत्री रणबीर गंगवा हर घर पानी पहुंचाने के दावे कर रहे हैं, लेकिन मंत्री को धरातल पर आकर देखना चाहिए कि जनता कितनी परेशान है।

मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे है गहलोत : दिलावर

शिक्षा मंत्री ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत पर साधा निशाना

जोधपुर (हिंस)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री तथा जोधपुर के प्रभारी मंत्री मदन दिलावर ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर उनके ही गृह नगर में निशाना साधा है। गहलोत की ओर से जल जीवन मिशन में एसीबी की ओर से की जा रही कार्रवाई को लेकर दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए मदन दिलावर ने कहा कि अशोक गहलोत मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं। दिलावर ने यह बात आज जोधपुर दौरे के दौरान सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए कही। बता दे कि गहलोत ने कहा था कि भाजपा की सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि उनकी सरकार भी जाएगी। इस पर दिलावर ने अपनी टिप्पणी की। प्रभारी मंत्री मदन दिलावर ने कोटा में प्रसूताओं की मौत के मामले पर कहा कि यह बेहद दुखद घटना है और मामले की जांच जारी है। जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं हों, इसके लिए सरकार स्तर पर गंभीरता से काम किया जा रहा है। वहीं नीट पेपर लीक मामले को लेकर दिलावर ने कहा कि एजेंसियां जांच कर रही हैं और जो भी दोषी होगा उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एसीबी पारदर्शी तरीके से भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्राम स्तर तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए अभियान चलाकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार गरीब, मजदूर, महिला, युवा और किसानों सहित हर वर्ग को साथ लेकर चल रही है और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। दिलावर ने कहा कि किसानों के हित में राज्य सरकार विशेष योजनाएं लेकर आ रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को गति मिलेगी।

महिलाओं के हक का विरोध करने वालों को 2027 में मिलेगा जवाब : राज प्रसाद

सुलतानपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में संसद में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण बिल का विरोध करने वाले विपक्षी सांसदों के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा ने मंगलवार को सदर विधानसभा के बरौसा बाजार में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि महिला आरक्षण बिल का विरोध कर सपा और कांग्रेस ने अपनी महिला विरोधी मानसिकता उजागर कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं के सम्मान और सशक्तीकरण के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए सड़क से संसद तक संघर्ष करेगी। उन्होंने कहा कि 2027 के चुनाव में महिलाएं ऐसे दलों को जवाब देंगी। महिला कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर सपा विरोधी नारे लगाए और महिला सम्मान के समर्थन में आवाज बुलंद की। कार्यक्रम का संचालन रेनू तिवारी ने किया जबकि रचना अग्रवाल ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर पूर्व महिला आयोग सदस्य सुमन सिंह, प्रभाकर शुक्ला, विजय त्रिपाठी, डॉ. प्रीति प्रकाश, रेनू सिंह, मंजू तिवारी, ऊषा वर्मा, रीता अग्रहरि, शारदा देवी, रीना निषाद और किरण सिंह समेत बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। मीडिया प्रमुख विजय रघुवंशी ने बताया कि बुधवार 13 मई को लंभुआ विधानसभा में विपक्षी सांसद व समाजवादी पार्टी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन लंभुआ ब्लाक मुख्यालय के सामने बाग में आयोजित होगा।

हरियाणा में 12वीं कक्षा का परिणाम घोषित, 84.67 प्रतिशत विद्यार्थी पास

भिवानी (हिंस)। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड (एचबीएसई) ने मंगलवार को 12वीं कक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। इस बार के परिणामों में एक बार फिर प्रदेश की बेटियों ने अपनी शैक्षणिक प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए लड़कों को पीछे छोड़ दिया है। शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने भिवानी में प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि इस वर्ष की परीक्षा में कुल 2 लाख 42 हजार 856 परीक्षार्थी शामिल हुए थे, जिनमें से 2 लाख 5 हजार 618 परीक्षार्थियों ने सफलता हासिल की। परीक्षा परिणाम 84.67 प्रतिशत रहा। इसमें छात्राओं का पास प्रतिशत 87.97 रहा, जबकि छात्रों का पास प्रतिशत 81.45 दर्ज किया गया। इस प्रकार छात्राओं ने छात्रों से 6.52 फीसदी ज्यादा पास प्रतिशतता प्राप्त की है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के जिलों में चरखी दादरी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूरे हरियाणा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, वहीं जिला नूंह इस सूची में सबसे निचले पायदान पर रहा। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच भी कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जहां ग्रामीण क्षेत्रों का पास प्रतिशत 84.98 प् रहा, जो शहरी क्षेत्रों द्वारा हासिल किया गया 83.91 प्रतिशत से थोड़ा बेहतर है। बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि प्राइवेट स्कूलों की पास प्रतिशतता 87.94 रही, जबकि राजकीय स्कूल 82.44 प्रतिशत हासिल कर पाए। दोनों ही प्रकार के विद्यालयों के बेहतर परिणामों ने प्रदेश की

शिक्षा व्यवस्था में सुधार के सकारात्मक संकेत दिए हैं। बोर्ड द्वारा हरियाणा मुक्त विद्यालय के नतीजे भी घोषित किए गए। फ्रेश श्रेणी के परीक्षार्थियों का परिणाम 42.15 प्रतिशत रहा, जबकि रि-अपीयर श्रेणी का परिणाम 50.09 प्रतिशत दर्ज किया गया। मुक्त विद्यालय में भी छात्राओं ने 11.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ छात्रों को पीछे छोड़ा। डॉ. पवन कुमार ने सफल परीक्षार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह परिणाम शिक्षकों और बच्चों की कड़ी मेहनत का प्रतिफल है। जो छात्र अपने अंकों से संतुष्ट नहीं हैं, उनके लिए पुन: जांच और पुनर्मूल्यांकन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इच्छुक परीक्षार्थी परिणाम घोषित होने की तिथि से 20 दिन के अंदर बोर्ड की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट बीएसईएच डॉट ओआरजी डॉट इन पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

नागौर में होगी दिशा समिति की बैठक विकास योजनाओं की होगी समीक्षा

नागौर (हिंस)। सांसद हनुमान बेनीवाल की अध्यक्षता में बुधवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक जिला परिषद सभागार में प्रात: 11 बजे से शुरू होगी, जिसमें केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, क्रियान्वयन और आमजन से जुड़े मुद्दों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। बैठक में जिले के सभी संबंधित विभागों के अधिकारी, समिति सदस्य एवं जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। सांसद हनुमान बेनीवाल विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट, लंबित विकास कार्यों तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की मूलभूत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करेंगे। बैठक के दौरान पेयजल, विद्युत, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि एवं आधारभूत सुविधाओं से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। साथ ही आमजन से जुड़े मुद्दों के समाधान की गति बढ़ाने पर विशेष जोर रहेगा। सांसद कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार सांसद बेनीवाल ने जिला कलक्टर को निर्देश दिए हैं कि सभी विभागीय अधिकारी बैठक में पूर्ण तैयारी, अद्यतन जानकारी और आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित रहें, ताकि जनहित से जुड़े मामलों का प्रभावी एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके। दिशा समिति की यह बैठक जिले के विकास कार्यों की प्रगति को गति देने और प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

पेपरलीक मामले में आरपीएससी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. शिव सिंह राठौड़ तलब

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) से जुड़े पेपर लीक मामलों में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की जांच अब बड़े अधिकारियों तक पहुंच गई है। एसओजी सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसी ने आरपीएससी के पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. शिव सिंह राठौड़ को पूछताछ के लिए तलब किया है। एसओजी सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई स्कूल व्याख्याता (कृषि विज्ञान) भर्ती परीक्षा-2022 के पेपर लीक मामले से जुड़ी हुई है। जयपुर स्थित एसओजी मुख्यालय में गत दस मई को पेपर लीक रैकेट का खुलासा किया था। पेपर लीक के मास्टरमाइंड शेर सिंह मीणा से एसओजी की पूछताछ में स्वीकार किया था कि कृषि विज्ञान का पेपर उसे तत्कालीन आरपीएससी मेंबर बाबूलाल कटारा ने 60 लाख रुपए में दिया था। एसओजी की पूछताछ के दौरान शेर सिंह मीणा ने लेक्चरर पेपर लीक में पूर्व अध्यक्ष डॉ. शिव सिंह राठौड़ का नाम लिया था।

स्वेच्छा से हिंदू बनने वाले मुस्लिम का धर्मांतरण आवेदन खारिज करने पर हाई कोर्ट ने एडीएम को लगाई फटकार

हाई कोर्ट ने एडीएम को दिया नया आदेश पारित करने का निर्देश

प्रयागराज (हिंस)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के गैरकानूनी धर्मांतरण प्रतिषेध कानून के तहत एक मुस्लिम व्यक्ति के हिंदू धर्म अपनाने के मामले में एडीएम प्रशासन प्रयागराज की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि एडीएम ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर बार-बार पुलिस जांच करवाई और आपराधिक मामले को आधार बनाकर धर्मांतरण प्रमाणन आवेदन खारिज कर दिया। जस्टिस अजीत कुमार और जस्टिस इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने फिलहाल प्रयागराज के एडीएम (प्रशासन) के पारित उस आदेश को स्थगित कर दिया है, जिसमें याचिकाकर्ता के *सनातन धर्म* अपनाने की घोषणा को स्वीकार करने से इनकार किया गया था। कोर्ट ने एडीएम को तीन सप्ताह के भीतर नया आदेश पारित करने का निर्देश दिया है। मामला इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर अनिल पंडित (पूर्व नाम मोहम्मद अहसान) से जुड़ा है। उन्होंने 12 जनवरी 2022 को यूपी धर्मांतरण कानून की धारा 8 के तहत धर्म परिवर्तन की घोषणा दी थी। बाद में आर्य समाज मंदिर में 14 मार्च 2022 को विधिवत धर्मांतरण की प्रक्रिया पूरी हुई। 2022 और 2023 में पुलिस की दो जांच रिपोर्टों में स्पष्ट कहा गया कि धर्मांतरण स्वेच्छा से हुआ और इसमें किसी प्रकार का दबाव या प्रलोभन नहीं था। इसके बावजूद एडीएम ने एक और जांच रिपोर्ट मंगवाई, क्योंकि याचिकाकर्ता के ससुर ने उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। ससुर अपनी बेटी की शादी का विरोध कर रहे थे। अंतत: 9 अगस्त 2024 को एडीएम ने धर्मांतरण प्रमाणपत्र देने से इनकार कर दिया। आदेश में एफआईआर, चार्जशीट और दंपति के बीच हुए एक लाख रुपए के लेन-देन को आधार बनाया गया। एडीएम ने माना कि धर्मांतरण विवाह के उद्देश्य से और कथित प्रभाव में किया गया। हाईकोर्ट ने दंपति से व्यक्तिगत बातचीत के बाद पाया कि दोनों ने स्वेच्छा से हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह किया था। पत्नी ने कोर्ट को बताया कि एक लाख रुपए की रकम मेडिकल इमरजेंसी के दौरान एक मित्र के रूप में दी गई आर्थिक सहायता थी। कोर्ट ने कहा कि कानून के तहत केवल प्रक्रिया की जांच की जानी थी, न कि विवाह की वैधता या आपराधिक मामले की। पीठ ने टिप्पणी की कि एफआईआर दर्ज होने के बाद बार-बार जांच कराना एडीएम द्वारा *ऐसी शक्ति का प्रयोग* था, जो कानून ने उसे दी ही नहीं। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल चार्जशीट दाखिल होने से किसी व्यक्ति को दोषी नहीं माना जा सकता, क्योंकि अपराध सिद्ध होना ट्रायल का विषय है। अदालत ने दंपति को राहत देते हुए कहा कि वे सम्मानपूर्वक वैवाहिक जीवन जीने के लिए स्वतंत्र हैं और पुलिस उनके जीवन में हस्तक्षेप नहीं करेगी। मामले की अगली सुनवाई 27 मई को होगी।

नीट यूजी-2026 परीक्षा रद्द होने से बिहार के 23 लाख छात्रों के भविष्य से हुआ है खिलवाड़ : तेजस्वी यादव

पटना (हिंस)। देशभर में 3 मई को आयोजित हुई नीट यूजी-2026 परीक्षा को रद्द कर दिया गया है। पेपर लीक के मामले सामने आने के बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने यह बड़ा फैसला लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई है। परीक्षा को रद्द किए जाने को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इसे बिहार के 23 लाख छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बताया है। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा कि पेपर लीक के कारण 2026 की परीक्षा रद्द कर दी गई है। 23 लाख छात्रों के भविष्य से एक बार फिर खिलवाड़ किया गया। बिहार और देश में पेपर लीक का अंतहीन सिलसिला खत्म ही नहीं हो रहा है। क्या भाजपा की सरकारों में इतनी भी प्रशासनिक क्षमता, योग्यता, इच्छाशक्ति व कौशल नहीं है कि एक सामान्य परीक्षा को बिना पेपर लीक हुए सुनियोजित ढंग से आयोजित कर सके या फिर ये भी कोई *संयोग और प्रयोग वाला दांव* है जिससे देश की रुलाई में भी सत्ता की मलाई मिलती रहे। तेजस्वी यादव ने आगे लिखा कि सत्ता संरक्षण में लगातार होते *पेपर लीक* से सरकार की नीति और नीयत पर ही सवाल उठ रहा है। दिखावटी जांच की औपचारिकता की बजाए सरकार को *आत्मनिरीक्षण* करने की जरूरत है।

खुद से ये सवाल करने की जरूरत है कि क्या हम देश के साथ सही कर रहे हैं? अब जब 23 लाख छात्र पुनर्परीक्षा देंगे, दुबारा देशभर के विभिन्न 552 शहरों के सैंकड़ों परीक्षा केंद्रों पर जाएंगे तब कितने लाखों लीटर पेट्रोल-डीजल-तेल की बर्बादी होगी। छात्रों, उनके परिजनों और अभिभावकों को आर्थिक नुकसान एवं शारीरिक और मानसिक कष्ट होगा? क्या केंद्र की भाजपा सरकार ने इसका मूल्यांकन और विश्लेषण किया है?

568वां जोधपुर स्थापना दिवस समारोह, कई कार्यक्रमों का आयोजन

जोधपुर (हिंस)। जोधपुर का 568वां स्थापना दिवस समारोह मंगलवार को शहर में धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान शहरभर में कई कार्यक्रम आयोजित हुए। मुख्य समारोह महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर स्थित मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित हुआ। इसमें मारवाड़ वीर शिरोमणी सम्मान सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 19 प्रतिभाओं को मारवाड़ रत्न सम्मान से अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट के प्रशासनिक अधिकारी कर्नल अजयसिंह शेखावत ने बताया कि समारोह सांसद राव राजेन्द्रसिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ और समारोह की अध्यक्षता पूर्व राजपरिवार के गजसिंह ने की। इस वर्ष अमर शहीद परमवीर मेजर शैतानसिंह को मारवाड़ वीर शिरोमणी सम्मान दिया गया। इसके अलावा डॉ. एमएल जाट को राव सीहा सम्मान, मिस्टर एलन वैबर को महाराज सर प्रतापसिंह सम्मान, श्याम कुम्भट को राव जोधा सम्मान, डॉ. ईशा दीक्षित व डॉ. प्रणव दीक्षित को महाराजा हनवन्तसिंह सम्मान, विंग कमांडर दीपिका मिश्रा को मेजर दलपतसिंह (एमसी) सम्मान, प्रो. जॉन डी. स्मिथ को पद्मभूषण कोमल कोठारी सम्मान, मैमुना नरगिस जैदी को कुंवर करणीसिंह जसोल सम्मान, उमर मोहम्मद को महाराजा विजयसिंह सम्मान, डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी को महाराजा मानसिंह सम्मान, पद्मश्री श्यामसुन्दर

पालीवाल को एचएच महाराजा उम्मेदसिंह सम्मान, सरिता राठौड़ को राजदादीसा बदन कंवर भटियाणी सम्मान, मोहनसिंह राठौड़ को एचएच राजमाता कृष्णाकुमारी सम्मान, झीमा देवी को एचएच महाराजा गजसिंह (द्वितीय) सम्मान, संदीपसिंह मान को चिरंजीव युवराज शिवराजसिंह सम्मान, डॉ. भुवनेश जैन को मुहता नैणसी सम्मान, रफीक खान को राजाराम मेघवाल सम्मान, नागराज शर्मा को पद्मश्री सीताराम लालसजी सम्मान एवं डॉ. मंगत बादल को डॉ. नारायणसिंह भाटी मालूंगा सम्मान से सम्मानित किया गया।

माटी कला राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा : टाक

जयपुर (हिंस)। श्रीयादे माटी कला बोर्ड, राजस्थान के गवर्निंग बोर्ड की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को उद्योग भवन स्थित बोर्ड रूम में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक ने की। बैठक में माटी कला से जुड़े कारीगरों के उत्थान, उनके कौशल संवर्धन और विपणन के अवसरों को बढ़ाने को लेकर कई अहम प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान राज्य में परंपरागत आवा-कजावा (माटी कला) के संरक्षण, कारीगरों की आजीविका में वृद्धि, ग्रामीण रोजगार सृजन, पर्यावरण अनुकूल उत्पादन प्रणाली को बढावा देने एवं राज्य की सांस्कृतिक पहचान को सुदृढ करने के उदेश्य से आवा-कजावा प्रोत्साहन नीति बनाए जाने को लेकर गहन विचार-विमर्श हुआ। इसी तरह उद्योग भवन में माटी कला की विभिन्न विधाओं एवं कलाकृतियों के सजीव प्रदर्शन (लाइव डेमोंस्ट्रेशन) के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराने का मुद्दा

प्रमुखता से उठाया गया। बोर्ड का मानना है कि इससे न केवल आमजन को पारंपरिक कला से जुड़ने का अवसर मिलेगा, बल्कि कारीगरों को भी अपनी कला का प्रदर्शन कर सीधे बाजार से जुड़ने का मंच मिलेगा। इसके अलावा माटी कामगारों को श्रमिक श्रेणी में शामिल कर श्रमिक कार्ड जारी करने का प्रस्ताव भी रखा गया, जिससे उन्हें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, बीमा, पेंशन एवं अन्य सरकारी लाभों का सीधा फायदा मिल सके। यह कदम कारीगरों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक में माटी कला से जुड़े कलाकारों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए पांच हजार इलेक्ट्रिक चाक और मिट्टी गूंथने की मशीनें उपलब्ध कराने पर भी विचार-विमर्श हुआ। इससे उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और कारीगरों का श्रम कम होगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि की संभावना है। विपणन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यूनिटी मॉल में माटी कला उत्पादों के लिए स्थान उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भी चर्चा में रहा। इससे कारीगरों को अपने उत्पादों के लिए स्थायी बाजार मिलेगा और उनके हस्तशिल्प को व्यापक पहचान मिल सकेगी। साथ ही, माटी कला के विकास के लिए बिचून में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने हेतु भूमि आवंटन के विषय पर भी गंभीरता से विचार किया गया। यह केंद्र प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार का प्रमुख हब बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होगा। बैठक को संबोधित करते हुए बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक ने कहा कि माटी कला राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है, जिसे संरक्षित और प्रोत्साहित करना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कारीगरों के कल्याण और उनकी कला को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बैठक में उठाए गए सभी प्रस्तावों पर शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, ताकि माटी कला से जुड़े हजारों परिवारों को इसका सीधा लाभ मिल सके। टाक ने यह भी कहा कि पारंपरिक कला को आधुनिक बाजार से जोड़ना ही कारीगरों के आर्थिक सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम है।

भारत–अमेरिका व्यापार समझौता : अगले दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी टीम के भारत आने की उम्मीद

नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। हाल ही में एक अधिकारी ने जानकारी दी है कि व्यापार वार्ता के अगले दौर के लिए अमेरिकी टीम जल्द ही भारत का दौरा कर सकती है। हालांकि, इस अहम दौरे के लिए अभी तक कोई आधिकारिक तारीख तय नहीं की गई है।

अप्रैल की वाशिंगटन बैठक से मिली गति – यह संभावित दौरा अप्रैल में हुई उच्च स्तरीय बैठकों की ही अगली कड़ी है। अप्रैल महीने में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने वाशिंगटन डीसी का दौरा किया था। इस दौरान दोनों देशों के अधिकारियों के बीच अंतरिम समझौते के मसौदे को अंतिम रूप देने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए आमने–सामने विस्तृत चर्चा हुई थी।

व्यापार वार्ता के मुख्य बिंदु – पिछले महीने हुई इन रणनीतिक वार्ताओं में दोनों पक्षों ने व्यापार को सुगम बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण व्यावसायिक और आर्थिक क्षेत्रों पर चर्चा की। इनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित मुद्दे शामिल रहे: बाजार पहुंच: दोनों देशों के उत्पादों के लिए एक–दूसरे के बाजारों में आसान पहुंच सुनिश्चित करना। टैरिफ और तकनीकी बाधाएं: गैर–टैरिफ उपायों और व्यापार में आने वाली तकनीकी बाधाओं को दूर करना। व्यापार सुविधा: सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाना और निवेश प्रोत्साहन को बढ़ावा देना। भविष्य का व्यापार: आर्थिक सुरक्षा और तेजी से उभरते डिजिटल व्यापार के मोर्चे पर तालमेल बिठाना। फरवरी का समझौता और भविष्य का आउटलुक व्यापारिक संबंधों को संस्थागत रूप देने के लिए 7 फरवरी को एक अहम कदम उठाया गया था, जब भारत और अमेरिका ने एक संयुक्त बयान जारी किया था। इस बयान में पारस्परिक और लाभकारी व्यापार से जुड़े अंतरिम समझौते के लिए एक रूपरेखा तय की गई थी। इसी फ्रेमवर्क ने व्यापक भारत–अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर दोनों देशों की प्रतिबद्धता को मजबूत किया है। अप्रैल की सफल बैठक के बाद, दोनों पक्षों ने व्यापार वार्ता की इस सकारात्मक गति को आगे भी बनाए रखने पर सहमति जताई है। अब बाजार और उद्योग जगत की निगाहें अमेरिकी टीम के आगामी भारत दौरे पर टिकी हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

हुंडई की कुल बिक्री में 17 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि

नई दिल्ली। अप्रैल 2026 हुंडई मोटर इंडिया के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ है। इस दौरान कंपनी ने कुल बिक्री में 17 प्रतिशत की प्रभावशाली वार्षिक वृद्धि दर्ज करते हुए कुल 51,902 वाहन बेचे। कंपनी की यह बिक्री पिछले वर्ष के 44,374 यूनिट्स के आंकड़े से काफी अधिक है। यह बढ़ोतरी विशेष रूप से प्रीमियम हैचबैक हुंडई आई20 और काम्पैक्ट एसयूवी हुंडई वेन्यू के असाधारण प्रदर्शन के कारण हुई है। हुंडई आई20 ने बिक्री में जबरदस्त 60 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया, अप्रैल 2026 में इसकी 5,624 यूनिट्स बिकीं, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह संख्या 3,525 थी। इसी तरह, हुंडई वेन्यू ने भी ग्राहकों का दिल जीता और इसकी 12,420 यूनिट्स की बिक्री हुई, जो वार्षिक आधार पर 56 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्शाती है। हाल ही में लान्च हुई हुंडई एक्सटर की बिक्री में भी 49 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई, जिससे यह 8,096 यूनिट्स तक पहुंच गई। वहीं, इलेक्ट्रिक सेगमेंट में हुंडई आयोनिक 5 ने 25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अपनी पकड़ मजबूत की। हालांकि, कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार, हुंडई क्रेटा की बिक्री में 10 प्रतिशत की मामूली गिरावट दर्ज की गई, लेकिन फिर भी यह कंपनी के पोर्टफोलियो में शीर्ष स्थान पर बनी हुई है।

होंडा सिटी की कीमतों में फिर हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय सेडान, होंडा सिटी की कीमतों में होंडा कार्स इंडिया ने फिर बढ़ोतरी करके ग्राहकों को चौंका दिया है। होंडा कार्स इंडिया कंपनी आगामी 22 मई को सिटी फेसलिफ्ट माडल लान्च करने की तैयारी में है। इससे पहले ही मौजूदा माडल की कीमतों में वृद्धि कर दी गई है। अब होंडा सिटी की शुरुआती एक्स–शोरूम कीमत 12.08 लाख रुपये हो गई है, जबकि पेट्रोल वेरिएंट 16.07 लाख रुपये तक पहुंच गया है। इसके हाइब्रिड माडल की कीमत भी बढ़कर 20 लाख रुपये हो गई है। यह इस साल जनवरी के बाद दूसरी मूल्य वृद्धि है। आटोमोबाइल विशेषज्ञों का मानना है कि फेसलिफ्ट माडल की लान्चिंग से ठीक पहले मौजूदा माडल की कीमत बढ़ाने के पीछे कंपनी की रणनीति नई और पुरानी कार के बीच एक स्पष्ट अंतर बनाए रखना है। यह भी संकेत देता है कि मौजूदा माडल कुछ समय तक बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध रहेगा। आगामी फेसलिफ्ट माडल पूरी तरह से नया नहीं होगा, बल्कि इसे मिड–साइकिल अपडेट के तौर पर पेश किया जाएगा। इसमें नई डिजाइन की ग्रिल, अपडेटेड हेडलाइट्स और एक बदला हुआ फ्रंट लुक देखने को मिलेगा, जो इसे एक ताजा अपील देगा। केबिन के अंदर भी कई नए फीचर्स जोड़े जाने की उम्मीद है, जिनमें एक बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस फोन चार्जिंग और वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स शामिल हो सकते हैं। हालांकि, इंजन लाइनअप में किसी बड़े बदलाव की संभावना नही है। कार में मौजूदा 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन और स्ट्रान्ग हाइब्रिड इंजन ही मिलेगा।

रायल एनफील्ड तीसरा सबसे मजबूत आटोमोबाइल ब्रांड घोषित

नई दिल्ली। ब्रांड फाइनेंस आटोमोटिव इंडस्ट्री 2026 की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, रायल एनफील्ड को

दुनिया का तीसरा सबसे मजबूत आटोमोबाइल ब्रांड घोषित किया गया है। यह भारतीय मोटरसाइकिल दिग्गज कंपनी आडी और फेरारी जैसे अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित ब्रांड्स को भी पीछे छोड़ने में कामयाब रही है। सूची में रायल एनफील्ड से आगे केवल टोयोटा और बीएमडब्ल्यू ही मौजूद हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी को 100 में से 88.9 का प्रभावशाली ब्रांड स्ट्रेंथ इंडेक्स स्कोर प्राप्त हुआ है, जिसके साथ उसे प्रतिष्ठित ट्रिपल ए रेटिंग भी मिली है। इस अवधि में रायल एनफील्ड की ब्रांड वैल्यू में लगभग 30 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की गई है, जो अब 1.2 अरब डालर तक पहुंच चुकी है। अन्य भारतीय कंपनियों में टाटा मोटर्स पांचवें स्थान पर, महिंद्रा 25वें और मारुति सुजुकी 34वें स्थान पर हैं। रायल एनफील्ड की इस असाधारण सफलता का श्रेय उसकी मजबूत वैश्विक उपस्थिति को दिया जा रहा है। कंपनी 80 से अधिक देशों में अपनी पहचान बना चुकी है और उसके पास 3200 से अधिक रिटेल आउटलेट हैं। इसके अलावा, कंपनी सात अंतरराष्ट्रीय सीकेडी असेंबली प्लांट भी सफलतापूर्वक संचालित कर रही है।

अमेरिका ने बढ़ती ईंधन कीमतों पर लगाम लगाने एसपीआर से 5.3 करोड़ बैरल तेल जारी किया

मिडटर्म चुनावों से पहले राजनीतिक दबाव और वैश्विक आपूर्ति संकट अहम वजह

वाशिंगटन

अमेरिका ने वैश्विक तेल आपूर्ति पर बढ़ते दबाव और रिकार्ड–उच्च ईंधन कीमतों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से अपने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार (एसपीआर) से 53.3 मिलियन बैरल कच्चा तेल एनर्जी कंपनियों को ऋण पर देने की घोषणा की है। यह निर्णय देश में मिडटर्म चुनावों से पहले रिपब्लिकन पार्टी पर बढ़ते राजनीतिक दबाव और स्ट्रेट आफ हार्मुज में जारी भू–राजनीतिक तनाव के कारण वैश्विक तेल बाजार में बढ़ती अस्थिरता के बीच आया है। अमेरिकी ऊर्जा विभाग के अनुसार, एक्सानमोबिल, ट्राफिगुरा और मैराथन पेट्रोलियम सहित कुल 9 कंपनियों ने आफर किए गए 92.5 मिलियन बैरल तेल में से लगभग 58% हिस्सा उधार लिया है। विभाग इस साल वसंत से पहले ही एसपीआर से लगभग 80 मिलियन बैरल तेल ऋण पर दे चुका है। इससे पहले, मार्च में अमेरिका ने इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) के 30 से अधिक देशों के साथ मिलकर करीब 400 मिलियन बैरल तेल बाजार में जारी करने का समझौता किया था ताकि वैश्विक तेल संकट को काबू में रखा जा सके।

अमेरिका में लगातार बढ़ती पेट्रोल और डीजल की कीमतें नवंबर में होने वाले मिडटर्म चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी के लिए एक बड़ी राजनीतिक चुनौती बन गई हैं। एएए मोटर क्लब के मुताबिक, गैसोलीन की औसत कीमत 4.52 डालर प्रति गैलन पहुंच गई है, जो 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है। ऊर्जा विभाग का कहना है कि कंपनियों को दिया जा रहा तेल बाद में प्रीमियम (24 फीसदी तक) के साथ वापस लिया जाएगा, जिससे बाजार स्थिर रहेगा और करदाताओं पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। फिलहाल, अमेरिका के एसपीआर में लगभग 384 मिलियन बैरल तेल बचा है, जो दुनिया की केवल चार दिन की जरूरत के बराबर है। स्ट्रेट आफ हार्मुज में जारी तनाव ने भी वैश्विक तेल बाजार की चिंताएं बढ़ा दी हैं। ब्रेंट क्रूड की कीमतें 104 डालर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रही हैं।

प्याज संकटः नासिक में किसान को 25 बोरी प्याज बेचने पर मिला 1 रुपये का बिल

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के किसान प्रकाश गलाधर को मंडी में अपनी फसल बेचने के बाद परिवहन और अन्य खर्चों के बाद उल्टे 1 रुपया चुकाना पड़ा। देश पहले से ही एलपीजी गैस और पेट्रोल–डीजल जैसी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को लेकर फूंक–फूंककर कदम रख रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी आर्थिक संयम की अपील की है। ऐसे में महाराष्ट्र के नासिक से एक और चिंताजनक खबर सामने आई है, जिसने देश में प्याज संकट पर नई बहस छेड़ दी है। एक किसान को अपनी प्याज की फसल बेचने पर इतना कम दाम मिला कि उसे उल्टे एक रुपया चुकाना पड़ा, जो उपभोक्ताओं के लिए भी महंगी प्याज का संकेत हो सकता है। महाराष्ट्र के संभाजीनगर जिले के वरुडी गांव के एक किसान को प्याज बेचने के बाद मिला 1 रुपये का बिल सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। किसान ने अपनी चार एकड़ में उगाई 25 बोरी प्याज एपीएमसी मंडी में बेची, जिसका कुल मूल्य उन्हें सिर्फ 1,262 रुपये मिला। परिवहन, तौल और अन्य खर्च काटने के बाद उन्हें एक रुपये का भी मुनाफा नहीं हुआ, बल्कि मंडी को एक रुपया चुकाने को कहा गया। इस निराशाजनक अनुभव के बाद गलाधर ने अपनी बाकी बची प्याज फेंक दी। यह घटना देश में किसानों की बदहाली और प्याज संकट की पुरानी यादें ताजा करती है। साल 2010 और 2019 में भारी बारिश के कारण उत्पादन घटने से प्याज के दाम आसमान छू गए थे, जिससे राजनीतिक हंगामा भी हुआ था। हालांकि, वर्तमान में अधिक उत्पादन और कुछ हिस्सों में गुणवत्ता की समस्याओं के कारण किसानों को भारी घाटा उठाना पड़ रहा है। व्यापारियों का कहना है कि बाजार में प्याज की अधिक आपूर्ति और कुछ खराब गुणवत्ता वाले प्याज के कारण दाम गिरे हैं।

एसयूवी टाटा नेक्सान का नया प्योर प्लस पीएस वेरिएंट लान्च

नई दिल्ली

अपनी लोकप्रिय काम्पैक्ट एसयूवी टाटा नेक्सान का नया प्योर प्लस पीएस वेरिएंट लान्च कर दिया है। यह देश की पहली ऐसी एसयूवी बन गई है, जिसमें 10 लाख रुपये से कम एक्स-शोरूम कीमत पर पैनोरमिक सनरूफ दिया गया है। दिल्ली एक्स-शोरूम में इसके पेट्रोल मैनुअल वेरिएंट की शुरुआती कीमत 9.59 लाख रुपये रखी गई है। कंपनी ने यह लान्च नेक्सान की 10 लाख यूनिट बिक्री पूरी होने के मौके पर किया है। नई नेक्सान प्योर प्लस पीएस में कंपनी ने प्रीमियम फीचर्स को किफायती कीमत पर उपलब्ध कराने की कोशिश की है।

अब तक पैनोरमिक सनरूफ केवल टाप वेरिएंट्स में मिलता था, लेकिन अब इसे मिड–स्पेक माडल में भी शामिल किया गया है। इस वेरिएंट में वाइस असिस्टेड पैनोरमिक सनरूफ दिया गया है, जो ग्राहकों को प्रीमियम अनुभव देता है। डिजाइन की बात करें तो इसमें एलईडी डीआरएल, प्रोजेक्टर हेडलैंप, कनेक्टेड एलईडी टेललैंप, रूफ रेल्स और डुअल–टोन कलर आप्शन दिए गए हैं। 208 मिलीमीटर का ग्राउंड क्लियरेंस इसे भारतीय सड़कों के लिए उपयुक्त बनाता है।

इंटीरियर में 10.25 इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एंड्रायड आटो और एप्पल कारप्ले, 6–स्पीकर साउंड सिस्टम, रियर एसी वेंट्स और हाइट एडजस्टेबल ड्राइवर सीट जैसे फीचर्स दिए गए हैं। सुरक्षा के लिहाज से भी यह एसयूवी काफी मजबूत मानी जा रही है। इसमें 6 एयरबैग स्टैंडर्ड दिए गए हैं। साथ ही एबीएस, ईबीडी, इलेक्ट्रानिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम, हिल होल्ड, ट्रैक्शन कंट्रोल, टायर प्रेशर मानिटरिंग सिस्टम और 360 डिग्री कैमरा जैसे फीचर्स भी शामिल हैं। कंपनी का दावा है कि यह एसयूवी लगभग 23 किलोमीटर प्रति लीटर तक का माइलेज देने में सक्षम है।

सोने का भाव 1.54 लाख और चांदी 2.80 लाख पार

नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा भाव में मंगलवार को जबरदस्त तेजी दर्ज की गई। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और अंतर्राष्ट्रीय बाजार कामैक्स (कामेक्स) दोनों में कीमती धातुओं के भाव उछाल के साथ खुले और खबर लिखे जाने तक मजबूती बनाए हुए थे। इस तेजी से निवेशकों में उत्साह देखा जा रहा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कान्ट्रैक्ट 1,53,999 रुपए के भाव पर 336 रुपये की तेजी के साथ खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,53,663 रुपए था। खबर लिखे जाने के समय यह कान्ट्रैक्ट 349 रुपये की बढ़त के साथ 1,54,012 रुपए पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में इसने 1,54,031 रुपए का उच्च स्तर और 1,53,851 रुपए का निम्न स्तर छुआ। गौरतलब है कि इस साल सोने का वायदा भाव 1,80,779 रुपए के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच चुका है। चांदी के जुलाई कान्ट्रैक्ट में भी जोरदार तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर यह 1,918 रुपये की बढ़त के साथ 2,80,229 रुपए पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 2,78,311 रुपए था। खबर लिखे जाने तक यह कान्ट्रैक्ट 2,81,171 रुपए पर कारोबार कर रहा था, जो कि 2,860 रुपये की बड़ी तेजी को दर्शाता है।

मेटा में 8000 कर्मचारियों की छंटनी : एआई पर फोकस और रिकार्ड खर्च के बीच मार्क जुकरबर्ग का सख्त कदम

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण दुनिया में भू–राजनीतिक तनाव चरम पर है। वहीं, दूसरी ओर दुनिया के टेक जगत में एआई के कारण लोगों की नौकरियां जाने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा 20 मई को अपने 8,000 कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मार्क जुकरबर्ग अब मेटा को छोटी और एआई–संचालित टीमों के इर्द–गिर्द फिर से तैयार कर रहे हैं। हाल ही में पहली तिमाही के नतीजों के दौरान जुकरबर्ग ने स्पष्ट कर दिया है कि कंपनी केवल उन कर्मचारियों को साथ रखना चाहती है, जो अकेले ही बड़े प्रोजेक्ट्स को संभालने की क्षमता रखते हैं।

एआई के कारण बदल रहा है कंपनी का ढांचा जुकरबर्ग का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उपकरणों की मदद से अब एक या दो लोग एक हफ्ते में वह काम कर रहे हैं, जिसे पूरा करने में पहले दर्जनों इंजीनियरों को महीनों लग जाते थे। इसी बदलाव को देखते हुए कंपनी अपनी टीमों को छोटा और अधिक उत्पादक बना रही है। जुकरबर्ग के अनुसार, यह फैसला केवल लागत कम करने के लिए नहीं, बल्कि मेटा को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने का एक संरचनात्मक विकल्प है। कंपनी में अब अल्ट्राफ्लैट ढांचा लागू किया जा रहा है, जहां 50 इंजीनियरों पर केवल एक मैनेजर काम कर रहा है। बुनियादी ढांचे पर रिकार्ड निवेश और शेयर बाजार की प्रतिक्रिया मेटा इस साल अपने बुनियादी ढांचे, विशेषकर डेटा सेंटर, कस्टम चिप्स और एआई माडल ट्रेनिंग पर 125 से 145 अरब डालर का रिकार्ड पूंजीगत खर्च कर रही है। कंपनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी सुसान ली ने स्पष्ट किया है कि बुनियादी ढांचे पर खर्च पिछले साल के मुकाबले लगभग दोगुना हो गया है, जिसके कारण कर्मचारियों के वेतन और कंपनी के बजट के बीच असंतुलन पैदा हुआ है। इसी असंतुलन को पाटने के लिए 20 मई की छंटनी का फैसला लिया गया है। सुसान ली ने यह भी माना कि एआई की तेजी से बदलती क्षमताओं के बीच मेटा का आदर्श आकार क्या होना चाहिए, इसका अब कोई स्पष्ट जवाब नहीं है। इस भारी खर्च और अनिश्चितता के कारण निवेशकों में भी चिंता देखी गई।

इंदौर में 300 करोड़ निवेश करेगी माइक्रो मिट्टी, साइबरसिटी से आईटी हब को मिलेगी नई उड़ान

ग्लोबल कंपनियों और एआई स्टार्टअप्स के लिए तैयार होगा 4.48 लाख वर्गफीट का आफिस स्पेस

इंदौर

शहर के रियल एस्टेट और आईटी सेक्टर के लिए सोमवार को एक बड़ी निवेश घोषणा सामने आई है। रियल एस्टेट फर्म माइक्रो मिट्टी ने इंदौर में अपने विस्तार विजन के तहत 300 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। कंपनी शहर में साइबरसिटी बाय माइक्रो मिट्टी नाम से एक अत्याधुनिक कमर्शियल प्रोजेक्ट विकसित कर रही है, जिसका उद्देश्य इंदौर को वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) और तकनीकी कंपनियों के लिए देश का सबसे प्रतिस्पर्धी गंतव्य बनाना है। कंपनी द्वारा सोमवार को जारी

बयान के अनुसार, यह महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 2.3 एकड़ भूमि पर फैला होगा। इसमें कुल 4.48 लाख वर्गफीट का लीजेबल एरिया (किराये पर देने योग्य क्षेत्र) उपलब्ध होगा। इस स्पेस का मुख्य हिस्सा आधुनिक आफिसों के लिए आरक्षित रहेगा, जबकि कुछ हिस्सा रिटेल (व्यावसायिक) गतिविधियों के लिए विकसित किया जाएगा। प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है और अप्रैल 2029 तक इसके पूर्ण होने की उम्मीद है।

टियर–2 शहरों की ओर बढ़ रही हैं वैश्विक कंपनियां – माइक्रो मिट्टी के संस्थापक और सीईओ मनोज धनोतिया ने कहा कि बाजार में एक बड़ा ढांचागत बदलाव दिख रहा है। अब वैश्विक कंपनियां महानगरों से आगे निकलकर इंदौर जैसे टियर–2 शहरों को गंभीरता से देख रही हैं। हमारा 300 करोड़ रुपये का निवेश इसी विश्वास को दर्शाता है कि इंदौर भविष्य में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) और एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित उद्यमों के लिए भारत के प्रमुख केंद्रों में से एक बनेगा।

आईटी प्रतिभाओं को मिलेगा मंच – गौरतलब है कि 2023 में स्थापित माइक्रो मिट्टी अब तक प्लाटेड डेवलपमेंट और प्रीमियम आवासीय फ्लैट्स के तीन प्रोजेक्ट्स लान्च कर चुकी है। कंपनी का मानना है कि साइबरसिटी प्रोजेक्ट न केवल शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा, बल्कि स्थानीय आईटी प्रतिभाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के आफिस स्पेस उपलब्ध कराकर रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। इंदौर की बढ़ती कनेक्टिविटी और ईज आफ डूइंग बिजनेस के कारण अब बड़ी तकनीकी कंपनियां यहां अपने पैर जमाने के लिए उत्सुक हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अर्जेंटीना की प्रारंभिक टीम घोषित, लियोनेल मेसी शामिल

नई दिल्ली

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी 55 सदस्यीय प्रारंभिक टीम का ऐलान कर दिया है। अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में अगले महीने शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में अर्जेंटीना खिताब बचाने के इरादे से उतरेगा। टीम के स्टार खिलाड़ी और कप्तान लियोनेल मेसी को भी स्क्वाड में शामिल किया गया है। हालांकि मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने साफ किया है कि वर्ल्ड कप में मेसी के खेलने का अंतिम फैसला पूरी तरह इंटर मियामी के इस स्टार फारवर्ड पर निर्भर करेगा।

वहीं स्टार खिलाड़ी पाउलो डायबाला को इस प्रारंभिक टीम में जगह नहीं मिली है, जिसने फुटबाल फैंस को चौंका दिया।

अर्जेंटीना को वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप जे में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला अल्जीरिया, आस्ट्रिया और जार्डन से होगा। टीम अपने अभियान की शुरुआत 16 जून को अल्जीरिया के खिलाफ करेगी।

अर्जेंटीना की प्रारंभिक टीम

गोलकीपर:
एमिलियानो मार्टिनेज, जेरोनिमो रूली, जुआन मुस्सो, वाल्टर बेनिटेज, फाकुंडो कैंबेसेस, सैंटियागो बेल्ट्रान

डिफेंडर्स:
अगस्टिन गुए, गोंजालो मोंटियल, नाहुएल मोलिना, निकोलस कापाल्डो, केविन मैक एलिस्टर, लुकास मार्टिनेज क्वार्टा, मार्कोस सेनेसी, लिसांद्रो मार्टिनेज, निकोलस ओटामेंडी, जर्मन पेजेला, लियोनार्डो बालेर्दी, क्रिस्टियन रोमेरो, लाउतारो डे लो लो, जायद रोमेरो, फाकुंडो मेडिना, मार्कोस अकुना, निकोलस टैग्लियाफिको, गैब्रियल रोजास

मिडफील्डस:
मैक्सिमो पेरोनी, लिआंड्रो परेडेस, गुइडो रोड्रिगेज, अनिबाल मोरेनो, मिल्टन डेलगाडो, एलन वरेला, एज़ेक्विएल फर्नांडीज, रोड्रिगो डी पाल, एक्सेक्विएल पलासियोस, एंजो फर्नांडीज, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, जियोवानी लो सेल्सो, निकोलस डोमिंगेज, एमिलियानो बुएंडिया, वेलेंटिन बार्को

फारवर्ड्स:
लियोनेल मेसी, निकोलस पाज, फ्रैंको मस्तांतोनो, थियागो अल्माडा, टोमास अरांडा, निकोलस गोंजालेज, एलेजांद्रो गर्नाचो, जूलियानो सिमियोने, माटियास सोली, क्लाउडियो एटक्सेफेरी, जियानलुका प्रेस्टिनी, सैंटियागो कास्त्रो, लाउतारो मार्टिनेज, जोस मैनुअल लोपेज, जूलियन अल्वारेज और माटेओ पेलेग्रिनो।

न्यूज़ ब्रीफ

आईपीएल 2026 : धीमी ओवर गति के कारण अक्षर पटेल पर लगा 12 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के कप्तान अक्षर पटेल पर पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ मुकाबले में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का यह मुकाबला 11 मई 2026 को धर्मशाला स्थित हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला गया था, जिसमें दिल्ली ने रोमांचक अंदाज में 3 विकेट से जीत दर्ज की थी। आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत न्यूनतम ओवर गति से संबंधित नियमों के उल्लंघन पर यह कार्रवाई की गई। चूंकि यह दिल्ली कैपिटल्स का इस सीजन पहला ओवर-रेट अपराध था, इसलिए कप्तान अक्षर पटेल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। मैच की बात करें तो पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 210 रन बनाए थे। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 19 ओवर में 7 विकेट खोकर 216 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। दिल्ली की जीत में कप्तान अक्षर पटेल और डेविड मिलर की अर्धशतकीय पारियों ने अहम भूमिका निभाई। अक्षर पटेल ने चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। वहीं युवा आलराउंडर माधव तिवारी ने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन कर टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस जीत के साथ दिल्ली कैपिटल्स ने धर्मशाला के मैदान पर 211 रन का लक्ष्य हासिल कर नया इतिहास रच दिया। यह इस मैदान पर किसी भी टीम द्वारा किया गया सबसे बड़ा सफल रन चेज साबित हुआ।

विश्वकप 2027 के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना चाहते हैं क्रुणाल

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में रायल चैलेंसर्स की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे क्रुणाल पांड्या का कहना है कि उनका लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में जगह बनाना है। पांड्या का प्रदर्शन आईपीएल में गेंद और बल्ले दोनो ही अच्छा रहा है। ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि चयनकर्ता विश्वकप के लिए उनके नाम पर भी विचार करेंगे। इस क्रिकेटर के अनुसार उनका लक्ष्य केवल आईपीएल में ही अच्छा प्रदर्शन करना नहीं है। उनकी नजरें 2027 एकदिवसीय विश्व कप में अवसर मिलने पर बेहतर खेल दिखाना है। विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित किया जाएगा। क्रुणाल ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 73 रन बनाकर आरसीबी की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। पांड्या ने साल 2027 विश्व कप में खेलने और राष्ट्रीय टीम में वापसी की अपनी इच्छा जतायी। उन्होंने कहा, जब मैं 6-7 साल का था, तो मैं देश के लिए खेलना चाहता था। अभी भी, यही लक्ष्य है। अगले साल विश्वकप होने वाला है। जिसके लिए मैं जगह बनाना चाहता हूं। मुझे उम्मीद है किमैं अच्छा करता रहूंगा। साथ ही कहा कि अगर मुझे अवसर मिलता है तो ये मेरे परिवार के लिए विशेष अवसर होगा। क्रुणाल करीब पांच साल से टीम से बाहर हैं। जुलाई 2021 में उन्हें अंतिम बार अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का अवसर मिला था।

उर्विल भविष्य में बेहतर बल्लेबाज बनेंगे : हरभजन

मुम्बई। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के युवा बल्लेबाज उर्विल पटेल की बल्लेबाजी की जमकर सराहना की है। उर्विल ने हाल ही में आईपीएल 2026 के एक अहम मुकाबले में सीएसके की लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत में अहम भूमिका निभाई थी। हरभजन ने कहा कि उर्विल में दबाव के बीच भी अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता है। उनकी निडर बल्लेबाजी से मैच का रुख बदल गया। इससे साफ है कि वह आने वाले समय में एक बेहतरीन खिलाड़ी बनेंगे। हरभजन उर्विल की बल्लेबाजी शैली से खासे प्रभावित दिखे। उन्होंने कहा कि युवा बल्लेबाज शुरुआत से ही अपनी रणनीति को लेकर बिल्कुल स्पष्ट थे। हरभजन ने कहा, पहले छह छक्कों को देखकर लगा कि उन्होंने सिर्फ एक ही क्षेत्र को निशाना बनाने का फैसला किया था। जिस तरीके से उन्होंने एक कठिन पिच पर बड़े शाट खेले उससे उनकी असाधारण क्षमता का अंदाजा होता है। वह निश्चित रूप से भविष्य में एक बेहतरीन खिलाड़ी साबित होंगे।उर्विस की बेतरीन पारी से ही ये मैच सीएसके के पाले में आया। यह उर्विल पटेल की आक्रामक बल्लेबाजी ही थी जिसने पूरे मैच का रुख सीएसके की ओर किया।

अनन्त, ऋगवेद और राजवीर ने दिखाया दम, प्री-क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

आल इंडिया टैलेंट सीरीज जूनियर टेनिस टूर्नामेंट में एमपी के खिलाड़ियों का रहा बोलबाला

इंदौर

मध्य प्रदेश टेनिस संघ द्वारा इंदौर टेनिस क्लब में आयोजित की जा रही प्योरशोर आल इंडिया टैलेंट सीरीज जूनियर टेनिस टूर्नामेंट के मुख्य दौर में मेजबान खिलाड़ियों ने शानदार शुरुआत की है। स्पर्धा के पहले दिन मध्य प्रदेश के अनन्त यादव, ऋगवेद मालसे और राजवीर राय ने अपने-अपने कड़े मुकाबलों में प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में स्थान पक्का कर लिया।

टूर्नामेंट का औपचारिक शुभारंभ एनी बेसेंट ग्रुप के अध्यक्ष मोहित यादव, इंदौर टेनिस क्लब के ट्रस्टी अभिमन्यु सिंह गढ़ा और म.प्र. टेनिस संघ के संयुक्त सचिव अर्जुन धूपर के आतिथ्य में हुआ, जबकि समारोह का संचालन इरफान अहमद ने किया।

बालक वर्ग के 14 वर्ष आयु समूह के पहले दौर के मैचों में अनन्त यादव ने वंश खण्डेलवाल को सीधे सेटों में 6-1, 6-2 से पराजित कर अपनी लय जाहिर की। वहीं ऋगवेद मालसे ने नैतिक जैन के विरुद्ध 6-3, 6-1 से जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया। राजवीर राय ने शिवांश पाण्डेय के खिलाफ कड़ा संघर्ष करते हुए 6-3, 6-4 से सफलता पाई। महाराष्ट्र के शौर्य सूद ने अरभ गुप्ता को 6-4, 6-4 से मात दी, जबकि रेयांश पटेल ने अयान केड़ीया को 6-1, 6-1 से हराकर आसान जीत दर्ज की। अराध्य पाटिल ने महाराष्ट्र के विहान सावरे को 6-1, 6-2 से और अर्जुन धर्माधिकारी ने अदवेथ रायबोले को 6-0, 6-1 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

स्पर्धा के अन्य परिणामों में शौर्य माखीजा ने शिवम ठाकुर को 7-5, 6-3 से हराया, जबकि विहान नवाब ने अदविक गुरू को 6-1, 6-2 से शिकस्त दी। गुजरात के अरहम उदानी ने मितान्त झामनानी को 6-0, 6-3 से हराकर अपनी दावेदारी मजबूत की। टूर्नामेंट के अगले दौर के मुकाबले अब और भी रोमांचक होने की उम्मीद है, जहाँ खिलाड़ियों के बीच श्रेष्ठता की जंग देखने को मिलेगी।

खेल मंत्रालय ने बीएफआई को थमाया कारण बताओ नोटिस, चयन प्रक्रिया पर उठे सवाल

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) और खेल मंत्रालय ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) की चयन प्रक्रिया और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। खेल मंत्रालय ने सोमवार को बीएफआई को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। बीएफआई की चयन नीति पर उठे सवाल सूत्रों के हवाले से बताया, मंत्रालय ने बीएफआई की चयन नीति को अस्पष्ट और पारदर्शिता से रहित बताया है। यह नोटिस ऐसे समय में जारी हुआ है जब एक दिन पहले ही साई ने पटियाला में आयोजित होने वाले मूल्यांकन शिविर को रोकने के निर्देश दिए थे। यह शिविर आगामी कामनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स के लिए मुक्केबाजों के चयन के उद्देश्य से आयोजित किया जाना था। चयन प्रक्रिया पर सवाल मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय शिविर में खिलाड़ियों को शामिल करने के लिए अपनाए गए दूसरे रास्ते यानी चीफ आफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) कप के मानदंड स्पष्ट नहीं हैं। यह टूर्नामेंट अप्रैल में पुणे स्थित आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट में आयोजित हुआ था। आरोप है कि इसमें कुछ ऐसे मुक्केबाजों को हिस्सा लेने से रोक दिया गया जो सशस्त्र बलों से जुड़े नहीं थे। सीओएएस कप के 40 पदक विजेताओं को राष्ट्रीय कैंप में मूल्यांकन के लिए बुलाया जाना था, लेकिन साई ने इस पर आपत्ति जताई। साई का कहना है कि बंद टूर्नामेंट के खिलाड़ियों को ऐसे कोचिंग पैनल के तहत शामिल किया जा रहा था जो अनुभव और योग्यता के मानकों पर खरे नहीं उतरते। हाई परफार्मेंस डायरेक्टर की नियुक्ति नहीं खेल मंत्रालय ने बीएफआई पर यह आरोप भी लगाया कि उसने कई बार याद दिलाने के बावजूद अभी तक हाई परफार्मेंस डायरेक्टर की नियुक्ति नही की है। मंत्रालय ने पिछले वर्ष सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के लिए इस पद हेतु 10 करोड़ रुपये अलग रखने को अनिवार्य किया था।

गावस्कर को पंजाब और बेंगलुरु के बीच फाइनल होने की उम्मीद

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि इस बार पंजाब किंग्स और रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आईपीएल फाइनल में पहुंचेगी। गावस्कर के अनुसार खेल में मिली हार भी कभी-कभी किसी टीम के लिए लाभदायक साबित होती है, इसलिए पिछले एक दो मैचों में हार से भी पंजाब की दावेदारी कमजोर नहीं हुई है। उन्होंने कहा, मैं अब भी पंजाब किंग्स का समर्थन करूंगा। कई बार कुछ हार टीम को बेहतर तरीके से अपने को तैयार करने का अवसर देती हैं।

इससे खिलाड़ी भी अति आत्मविश्वास से बचते हैं। उन्होंने कहए कि दिल्ली कैपिटल्स के पास भी इस सत्र में जीत के कई अवसर थे पर उसने उन्हें गंवा दिया। पंजाब किंग्स इससे सबक लेते हुए अब कोई गलती नहीं करना चाहेगी।

पंजाब किंग्स ने सत्र की शुरुआत से ही प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए शुरुआती सात मैचों में जीत हासिल की थी। हालांकि, इसके बाद टीम को लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा है पर इसके बाद भी 13 अंकों के साथ टीम अभी भी प्लेआफ की दौड़ में बनी हुई है। वहीं आरसीबी ने हाल ही में मुंबई इंडियंस के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में आखिरी गेंद पर दो विकेट से जीत दर्ज कर समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं। इस महत्वपूर्ण जीत के साथ, आरसीबी अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है, उसने 11 मैचों में अपनी सातवीं जीत हासिल की और प्लेआफ की ओर मजबूती से कदम बढ़ाए हैं। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस बाहर हो गयी है। गावस्कर ने मुंबई इंडियंस के बाकी बचे मुकाबलों को लेकर कहा, टी200 क्रिकेट में उतार-चढ़ाव आम बात है। सत्र समाप्त खत्म होने के बाद टीम को अपनी गलतियों का आंकलन चाहिए।

लेकिन फिलहाल मुझे लगता है कि सीनियर खिलाड़ियों ने अपना पूरा योगदान दिया है। उन्होंने सुझाव दिया, अब बाकी मैचों में युवा खिलाड़ियों को मौका देना सही रहेगा। इससे फ्रेंचाइजी को यह जानने का मौका मिलेगा कि ये युवा खिलाड़ी दबाव में कैसा प्रदर्शन करते हैं और भविष्य में टीम के लिए कितने उपयोगी साबित हो सकते हैं।

बांग्लादेश के टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर होने की जांच शुरू

ढाका। बांग्लादेश की नई सरकार ने अपनी टीम के टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर होने की जांच शुरू कर दी है। वहां के खेल मंत्रालय ने सोमवार को एक तीन मेंबर्स की कमेटी का गठन किया। जो इस बात की पड़ताल करेगी कि आखिर क्या परिस्थितियों और फैसलों के कारण बांग्लादेश को इस बड़े टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। इस कमेटी को एडिशनल सेक्रेटरी डा. एकेएम वली उल्लाह करेंगे। इसमें पूर्व कप्तान और मुख्य चयनकर्ता हबीबुल बशर और फैसल दस्तगीर को भी शामिल किया गया है। कमेटी 15 दिनों के अंदर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

डेब्यू मैच में छाए डीसी के माधव तिवारी, कहा मैं 100% गेंदबाज और 100% बल्लेबाज हूं

धर्मशाला

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल)2026 में सोमवार को धर्मशाला में खेले गए हाईस्कोरिंग मुकाबले में युवा आलराउंडर माधव तिवारी ने अपने हरफनमौला प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींच लिया। आईपीएल 2026 में अपना पहला पूरा मुकाबला खेल रहे 22 वर्षीय माधव ने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार योगदान देकर दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ 3 विकेट से रोमांचक जीत दिलाई। शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 210 रन बनाए। टीम की ओर से प्रियांश आर्य ने 33 गेंदों पर 56 रनों की विस्फोटक पारी खेली। हालांकि दिल्ली के युवा गेंदबाज माधव तिवारी ने उन्हें आउट कर पंजाब को बड़ा झटका दिया। माधव ने अपने 4 ओवर में 40 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। उन्होंने कूपर कोनोली को भी धीमी बाउंसर पर पवेलियन भेजा।

मैच के बाद माधव तिवारी ने कहा, सबसे पहले मैं टीम मैनेजमेंट को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे मौका दिया। अगर चीजें आपके हाथ में नहीं होतीं तो आपको हर प्रैक्टिस सेशन में

खुद को बेहतर बनाना पड़ता है। मैंने गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल सर के साथ अपनी गेंदबाजी पर काफी काम किया और बल्लेबाजी कोच इयान बेल के साथ रेंज-हिटिंग पर मेहनत की।

उन्होंने आगे कहा, मैं खुद को 100 प्रतिशत गेंदबाज और 100 प्रतिशत बल्लेबाज मानता हूं।

211 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने 19 ओवर में 7 विकेट खोकर 216 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। कप्तान अक्षर पटेल और डेविड मिलर ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं और टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। अक्षर पटेल ने चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया।

माधव तिवारी ने बल्लेबाजी में भी कमाल दिखाया और मात्र 8 गेंदों पर नाबाद 18 रन बनाए, जिसमें दो चौके और एक छक्का शामिल रहा। उनकी छोटी लेकिन तेज पारी दिल्ली की जीत में बेहद अहम साबित हुई।

सीएम मोहन यादव से मिले विश्व विजेता कप्तान कपिल देव

बोले दिग्गज क्रिकेटर- खेलों के प्रोत्साहन के लिए मध्यप्रदेश में हो रहा सराहनीय कार्य, मार्गदर्शन को हूँ तत्पर

इंदौर/भोपाल

भारतीय क्रिकेट के गौरव और 1983 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान कपिल देव ने सोमवार शाम मुख्यमंत्री निवास (समत्व भवन) पहुंचकर मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। इस मुलाकात के दौरान प्रदेश के खेल परिदृश्य और खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। हरियाणा हरिकेन के नाम से विख्यात कपिल देव ने मध्यप्रदेश में खेलों के विकास के लिए अपना अनुभव और मार्गदर्शन साझा करने की इच्छा जताई।

मुख्यमंत्री डा. यादव ने चर्चा के दौरान कपिल देव को प्रदेश सरकार द्वारा खेल क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों और स्टेडियमों के आधुनिकरण की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य मध्यप्रदेश को देश का स्पोर्ट्स हब बनाना है, जिसमें दिग्गज खिलाड़ियों का अनुभव मील का पत्थर साबित होगा।

क्रिकेट के साथ अन्य खेलों पर भी जोर - प्रख्यात आलराउंडर कपिल देव ने मध्यप्रदेश में खेलों के प्रति बढ़ते उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में केवल क्रिकेट ही नहीं, बल्कि अन्य खेलों को भी बढ़ावा देने के लिए बेहतर वातावरण तैयार किया जा रहा है। कपिल देव ने भरोसा दिलाया कि वे प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करने में हर संभव सहयोग देंगे।

मार्गदर्शन के लिए सदैव तैयार - कपिल देव ने मुख्यमंत्री से कहा कि वे मध्यप्रदेश के उभरते क्रिकेटरों को तकनीकी बारीकियां सिखाने और उनके कौशल को तराशने के लिए सदैव तत्पर हैं। गौरतलब है कि कपिल देव जैसे महान खिलाड़ी का प्रदेश की खेल नीति और खिलाड़ियों के साथ जुड़ना आने वाले समय में मध्यप्रदेश के खेल जगत के लिए बड़े बदलाव का संकेत है।

स्पेन के राफेल जोडार इटैलियन ओपन टेनिस के चौथे दौर में पहुंचे, अर्नाल्डी को हराया, टिएन से होगा मुकाबला

रोम। स्पेन के युवा टेनिस खिलाड़ी राफेल जोडार ने इटैलियन ओपन टेनिस में जीत के साथ ही चौथे दौर में प्रवेश किया है। जोडार ने एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में इटली के माटेओ अर्नाल्डी को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया। वाइल्डकार्ड धारी अर्नाल्डी को हराकर जोडार ने अपनी क्षमताओं को साबित किया है। स्पेनिश खिलाड़ी ने पहले सेट को 6-1 से जीता पर दूसरे सेट में अर्नाल्डी ने 6-4 से जीत दर्ज कर अच्छी की। वहीं निर्णायक तीसरे सेट में जोडार ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए पांच गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही जोडार ने इस साल क्ले कोर्ट पर अपना 14-2 का रिकार्ड बरकरार रखा है। इस सत्र में उन्होंने माराकेच में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता था। साथ ही बार्सिलोना में सेमीफाइनल और मैड्रिड में क्वार्टर फाइनल तक वह पहुंचे थे। जीत के बाद जोडार ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। रोम में किसी इटैलियन खिलाड़ी के साथ खेलना कभी आसान नहीं रहता। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया पर मैटेओ ने दूसरे और तीसरे सेट में बहुत अच्छा खेला। अब जोडार का मुकाबला लर्नर टिएन से होगा इससे पहले, लर्नर अलेक्जेंडर बुब्लिक को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया। इंडियन वेल्स क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने के बाद से ही टिएन की यह अच्छी वापसी है।

नई डिजिटल क्रिप्टो करेंसी...

एक नई डिजिटल क्रिप्टो करेंसी लॉन्च की गई है जिससे इंसान पैदल चलकर कमाई कर सकेगा। इस करेंसी का नाम है बिटवॉकिंग डॉलर, जो डिजिटल क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की तरह ही कंप्यूटर से पैदा होगी। स्मार्ट फोन यूजर फोन पर बिटवॉकिंग ऐप की मदद से रिकॉर्ड करेगा कि वो कितने कदम पैदल चला है। फिर कदमों की गिनती के आधार पर प्रति दस हजार कदमों पर यूजर को लगभग एक बिटवॉक डॉलर मिलेगा। शुरू शुरू में, यूजर को कमाई गई करेंसी ऑनलाइन स्टोर में खर्च करने या उससे नकद कमाने का मौका मिलेगा। संस्थापकों का मानना है यह तकनीक विकासशील और गरीब देशों में फिटनेस उद्योग के विकास में खासी मददगार हो सकती है। इनके अनुमान के अनुसार बिटवॉकिंग योजना गरीब देशों के नागरिकों के जीवन को पूरी तरह से बदलकर रख देगी। प्रोजेक्ट की शुरुआत करने वाले निसान बहार और फ्रेंकी इम्बेसी को इस प्रोजेक्ट के लिए जापानी निवेशकों से शुरुआती दस मिलियन डॉलर की मदद मिली है। जापानी मदद की बदौलत वे ऐसे बैंक और करेंसी की शुरुआत करेंगे जो चले गए कदमों और किसी भी तरह के हस्तांतरण को सत्यापित करेगा। इसके अलावा कुछ जूते बनाने वाली कंपनियां इस करेंसी को अपनाने के लिए अपनी सहमति दे चुकी हैं। वैसे पैदल चलकर बिटवॉकिंग डॉलर कमाने का यह कोई नया प्रयोग नहीं है। कई स्टार्ट-अप समूह, सेहत बनाओ और कमाई करो का विचार पहले लागू कर चुके हैं, लेकिन गति को सही सही मापने में उन्हें सफलता नहीं मिली। क्रिप्टो करेंसी एक ऐसी डिजिटल या वर्चुअल करेंसी है, जिसमें सुरक्षा के लिए क्रिप्?टोग्राफी का इस्तेमाल किया जाता है। दुनिया की सबसे पहली क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन है, जो 2009 में लॉन्च हुई थी।

नाम विदेशी लेकिन देसी ब्रांड

कई ब्रांड ऐसे हैं जिनका नाम सुनकर ऐसा लगता है कि ये विदेशी हैं, लेकिन कई मामलों मे ऐसा नही है। पीटर इग्लैंड का नाम तो सुना ही होगा और कई बार टीवी पर ऐड भी देखा होगा। नाम सुनकर यह एक विदेशी कपड़ों का ब्रांड लगता है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। पीटर इंग्लैंड वास्तव में आदित्य बिरला ग्रुप की मदुरा गार्मेंट्स का हिस्सा है। अमेरिकन स्वान का नाम सुना ही होगा। शायद आपको लगा हो कि ये विदेशी कपड़ो का ब्रांड है। जी नहीं! अमेरिकन स्वान भारतीय ब्रांड है। इसे 2013 में अनुराग राजपाल ने लांच किया था। लुई फिलिप भी आदित्य बिरला का हिस्सा है। 1989 में इसकी शुरुआत हुई। एलन सोली आदित्य बिरला ग्रुप का ब्रांड है। वेन ह्यूजन भी आदित्य बिरला ग्रुप से जुड़ा हुआ है। वेस्टसाइड टाटा ग्रुप का एक डिविजन है। फ्लाइंग मशीन की शुरुआत अरविंद ग्रुप ने की। मांटे कार्लो ओसवाल वूलन मिल्स लिमिटेड का हिस्सा है। द मिलानो साहिल मालिक चलाते हैं।

बढ़ती उम्र को रोकें....

रोजमर्रा की भागदौड़ और जिम्मेदारियों को पूरा करने के चक्कर में युवाओं की उम्र कब बढ़ने लगती है पता ही नहीं चलता। लेकिन चेहरे पर आती झुर्रियों को दूर करने के लिए कुछ उपाय अपनाकर इससे बचा जा सकता है। खूब पानी पिएं। पानी पीने से त्वचा नम होती है और इससे झुर्रियां दूर होती हैं। पूरी नींद लें। दिन में कम से कम 7 से 8 घंटें सोएं। माइश्चराइजर का इस्तेमाल करते रहें। सिर्फ सर्दियों में ही नहीं गर्मीयों में भी त्वचा पर क्रीम लगाते रहें। सेहतमंद खाना खाएं। ज्यादा से ज्यादा हरी सब्जियां और फल खाएं। इसके अलावा सूखे मेवे भी फायदेमंद हैं। तनाव से खुद को दूर रखें।

आनलाइन लगेगी छात्रों की हाजिरी

उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों की हाजिरी अब ऑनलाइन लगेगी। इसके लिए बेसिक शिक्षा परिषद ने ऑनलाइन सॉफ्टवेयर तैयार किया है। इस योजना के तहत शिक्षकों को अब सुबह विद्यार्थियों की उपस्थिति के बाद अपने मोबाइल से बेसिक शिक्षा परिषद को मैसेज भेजना होगा, जिससे विभाग की सभी योजनाओं में होने वाले धन के दुरुपयोग को रोका जा सके। बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों को उनके क्लास रूम में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की विद्यालय के रजिस्टर में हाजिरी करने के साथ ही परिषद को अपने मोबाइल से एक मैसेज भी भेजना होगा। इस मैसेज के पहुंचते ही परिषद के सॉफ्टवेयर में विद्यार्थियों की हाजिरी लग जाएगी।

दाढ़ी से फायदा या नुकसान...?

फैशन और ट्रेंड के चलते आजकल लड़के लंबी दाढ़ी और मूंछे रखने लग गए हैं। हालांकि दाढ़ी और मूंछ में लड़के बहुत ही स्मार्ट दिखाई देते हैं लेकिन यह बात भी सामने आई है कि दाढ़ी रखना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद भी है। हालांकि कुछ शोध बताते है कि लड़कियां दाढ़ी रखने वाले लड़कों को कम ही पसंद करती हैं। इसके समर्थन में वे कारण गिनाए गए हैं कि क्यों लड़कियों को दाढ़ी वाले लड़के पसंद नही हैं। तो हम यहां जानेंगे दाढ़ी के कितने फायदे हैं और कितने नुकसान।

मूंछ और दाढ़ी रखने वाले युवाओं की पर्सनैलिटी को लोग दो तरीके से जज करते हैं। कुछ लोगों की नजरों में जहां वे हैंडसम और डैशिंग कहलाते हैं, तो वहीं कुछ लोगों को वे आलसी नजर आते हैं। प्रोफेशनल लुक में भी कई बार दाढ़ी और मूंछ प्रॉब्लम खड़ी करती है। लेकिन बहुत ही कम लोग इस बात से वाकिफ होंगे कि चेहरे पर दाढ़ी कई प्रकार की समस्याओं से दूर रखती है। हालांकि, कई बार ज्यादा दाढ़ी इरिटेट भी करती है, लेकिन समय-समय पर इसकी ट्रिमिंग कराकर इरिटेशन से बचा जा सकता है।

स्किन कैंसर से बचाव

रिसर्च से ये बात सामने आई है कि सूर्य से निकलने वाली हानिकारक यूवी किरणों से दाढ़ी बचाव करती है। दाढ़ी के बाल 95 प्रतिशत तक इन हानिकारक यूवी किरणों को रोकते हैं। शरीर के लिए बहुत ज्यादा नुकसानदायक ये किरणें जानलेवा बीमारी कैंसर का कारण भी बन सकती हैं। इन किरणों से बचने के लिए दाढ़ी रखना सेहत और स्टाइल, दोनों लिहाज से अच्छा रहता है।

एलर्जी की समस्या दूर

धूल और पॉल्यूशन के कारण होने वाली एलर्जी और अस्थमा की समस्या को कम करने में भी दाढ़ी के बाल बहुत ही मददगार होते हैं। ये बाल एक प्रकार से फिल्टर का काम करते हैं, जो चेहरे पर किसी भी चीज को डायरेक्ट पहुंचने से रोकते हैं। आंखों की पलकें और नाक के बाल भी यही काम करते हैं। फिल्टर के बाद प्योर ऑक्सीजन बॉडी में पहुंचती है।

बनाए रखे जवां

एजिंग की समस्या को कम करती है दाढ़ी। दाढ़ी पॉल्यूटेड एनवायरन्मेंट से स्किन को बचाती है, जिससे असमय दिखने वाले बुढ़ापे की समस्या भी दूर होती है। चेहरे को पानी से धोने पर नमी बनी रहती है। साथ ही, चेहरे के सेबेसियस ग्लैंड्स भी बिअर्ड से कवर्ड रहते हैं। इनसे नमी को बनाए रखने वाले ऑयल निकलते हैं। स्टाइल के लिए रखी जाने वाली

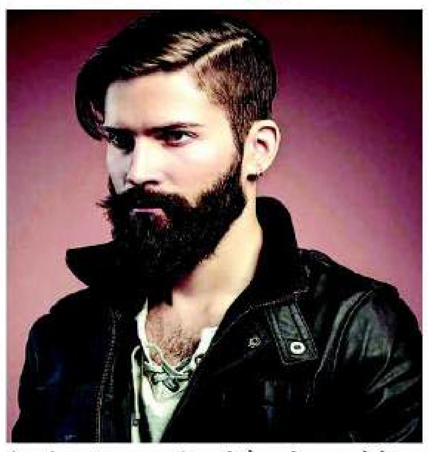

बियर्ड जहां उम्र कम दिखाती है, वहीं कुछ लोगों का ऐसा मानना है कि बियर्ड से उम्र ज्यादा नजर आती है।

बीमार की आशंका कम

गर्मियों में गर्मी से और सर्दियों में सर्दी से बचाने में दाढ़ी कारगर साबित होती है। दाढ़ी सर्दी में चेहरे को गर्म रखने का काम करती है। बाहर की ठंडी हवाएं डायरेक्ट चेहरे तक नहीं पहुंच पाती। पुराने समय में ऋषि-मुनि दाढ़ी-मूंछ रखते थे। संभवतः इसके पीछे उनका मकसद रोगमुक्त होना रहा हो।

इन्फेक्शन से बचाव

दाढ़ी चेहरे पर होने वाले कई सारे बैक्टीरियल इन्फेक्शन्स, फॉलिकल्स और दाग-धब्बों से बचाती है। शेविंग के दौरान स्किन कट जाने से कई प्रकार के इन्फेक्शन्स हो जाते हैं। साथ ही, कई बार ये बड़े घाव तक बन जाते हैं। जो लोग दाढ़ी रखते हैं, उनके साथ ये समस्या नहीं हो सकती।

दाग-धब्बे ऑल क्लीयर

चेहरे के बाल कई प्रकार के दाग-धब्बों, जलने-कटने से बचाने के साथ ही उन्हें छिपाते भी हैं। ये चेहरे के ग्लो को भी बनाए रखते हैं। पुरुषों का दाढ़ी रखना इसलिए भी फायदेमंद माना गया है।

नेचुरल मॉइश्चराइजर

ड्राय स्किन की शिकायत सिर्फ महिलाओं के साथ ही नहीं, पुरुषों के साथ भी हो सकती है। इससे बचने के लिए मॉइश्चराइजर और क्रीम लगाते हैं, लेकिन दाढ़ी भी स्किन को ड्राय होने से बचाती है।

दाढ़ी के नुकसान भी

मर्दों की दाढ़ी को लेकर और दो तरह के अध्ययन किए गए हैं। पहले सर्वे में करीब 100 आदमियों पर अध्ययन किया गया, जिनकी उम्र 18 से 72 साल के बीच थी। ये 100 पुरुष भारत और अमरीका से थे। इन सभी पुरुषों की दाढ़ी अलग-अलग तरह की स्टाइल और लेंथ में थी। इस आधार पर इनके सामने कुछ सवाल रखे गए। इस सर्वे के अनुसार, दाढ़ी रखे 86 प्रतिशत भारतीय मर्द और 65 फीसदी अमरीकी मर्द तुलनात्मक रूप से अधिक रूढ़िवादी पाए गए। एक ऑनलाइन सर्वे द्वारा कराए गए इस सर्वे में पाया गया है कि दाढ़ी रखने वाले पुरुष अपनी पार्टनर के प्रति कम वफादार होते हैं। वहीं एक अन्य रिसर्च में कहा गया है कि ऐसे ज्यादातर पुरुष धोखेबाज होते हैं। हालांकि विशेषज्ञों की मानें तो दाढ़ी रखना काफी नुकसानदेह भी साबित हो सकता है।

क्या सोचती हैं लड़कियां

गुस्सैल दिखना: दाढ़ी वाले युवा गुस्सैल दिखते हैं। एक शोध में यह पाया गया है कि आमतौर पर लड़कियां दाढ़ी रखने वाले युवाओं को गुस्सैल और लड़ाकू समझती हैं।

गुदगुदी होती है: वैसे तो अपने मेल पार्टनर की दाढ़ी में हाथ फेरना कुछ महिलाओं के लिए रोमांटिक हो सकता है, लेकिन कई अध्ययनों से यह साबित हुआ है कि दाढ़ी-मूंछ के चलते महिलाओं को गुदगुदी होती है जिससे उन्हें काफी परेशानी होती है। दाढ़ी चुभने पर महिलाओं का मूड ऑफ हो जाता है।

दाढ़ी से एलर्जी: जाहिर है जिन लोगों की स्किन हाइपर सेंसिटिव है, जिन्हें हल्की दाढ़ी भी चुभती है और फौरन रैशेज निकल आते हैं, उनके करीब जाना खतरों से भरा है।

उम्रदराज दिखते हैं: लड़कियों का मानना है कि क्लीन शेव लड़के यंग दिखते हैं, लेकिन दाढ़ी में वो ज्यादा मैच्योर और उम्रदराज नजर आते हैं।

क्लीन शेव वालों की छवि: जो लड़के क्लीन शेव होते हैं, उनके बारे में धारणा यह है कि वे सफाई पसंद होते हैं और हाइजीन का ख्याल रखते हैं।

स्टाइल स्टेटमेंट बन गए बेल्ट...

बेल्ट, है तो बहुत छोटा परंतु दाम में आपकी किसी पोशाक का मुकाबला कर सकता है। इसे पहले केवल पैंट को कसने के लिए पहना जाता था लेकिन आज यह एक स्टाइल स्टेटमेंट बन चुकी है। यह सुंदर चीज बहुत छोटी है लेकिन बड़ी स्टाइलिश। जब आप इसे अपनी कमर पर बांधते है, ये आपके पूरे रूप को परिवर्तित कर देता है। इसे पुरुष अपनी पतलून के साथ तथा महिलाएं अपनी स्कर्ट के साथ पहनना पसंद करती हैं। इसे पहले इसे केवल चमडे से बनाया जाता था किंतु आज ये कपडे या कृत्रिम चमड़े में भी बनी मिलती है।

चमड़े का बेल्ट: चमड़े का बेल्ट चाहे काले रंग का हो या भूरे रंग का आपको एक फॉर्मल लुक देने में मदद करता है। आप इस बेल्ट को अपनी फॉर्मल पैंट या जीन्स के साथ पहन सकते हैं। चूंकि ये बेल्ट चमड़े के बने होते हैं इन्हें संभालकर रखना बहुत जरूरी है। कमरे में यहां-वहां फेंकने से ये खराब हो सकते हैं।

ब्रैडेड बेल्ट: सुंदर ब्रैडेड बेल्ट के साथ अपने अद्भुत व कूल रूप को प्रकट करें। यदि आप लोगों को अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हैं तो ये बेल्ट आपकी इस तमन्ना को पूरा कर सकता है। एक अच्छा लुक पाने के लिए इसे अपनी किसी भी सादी पतलून के साथ पहनें।

नियॉन बेल्ट: रंग-बिरंगे नियॉन बेल्ट आपके होश उडा देंगे। अब तक आप बेल्ट को अपनी पैंट को टिकाए रखने के लिए खरीदते थे। परंतु ये नियॉन बेल्ट एक फैशन स्टेटमेंट बनाने के लिए एवं आपको एक स्टाइलिश लुक प्रदान करने के लिए बनाए गए हैं। हज़ारों की भीड में अपनी एक अलग पहचान बनाने की इच्छा रखने वाले व्यक्ति इस बेल्ट को खरीद सकते हैं। इस बेल्ट को पुरुषों व महिलाओं दोनों द्वारा पहना जा सकता है।

टेक्सचर्ड बेल्ट: कुछ टेक्सचर्ड बेल्ट चमड़े के बने होते हैं तो कुछ कपड़े के। दोनों की तुलना में कपड़े के बेल्ट ज्यादा कारगर साबित होते हैं और इसे फाक्स सूड कहा जाता है। सूड बेल्ट काफी आरामदायक होते हैं और ये लेनिन व खाखी कॉम्बो के साथ सही बैठते हैं। हमें इसकी आरामदायक पकड व सुंदरता बेहद पसंद है। इस बेल्ट की खासियत को जानने के लिए इसे एक बार जरूर पहनें।

ट्रैवल बेल्ट: क्या आप अक्सर टूर पर रहते हैं? तथा पैसों के साथ अपने जरूरी दस्तावेजों को संभालना आपके लिए बहुत जरूरी हो जाता है? तो ट्रैवल बेल्ट पर एक नजर डालें। ट्रैवल बेल्ट में मौजूद चोर पाकिट आपके पैसों व कार्ड को संभाले रखने में मदद करता है।

ज्यादा वजन में भी स्मार्ट दिखें...

मर्दों की चाहे कितनी भी उम्र हो जाए, लेकिन लड़कियों की तरह वे भी अपने वजन से कम ही दिखना चाहते हैं। मोटापा युवाओं को उम्र से ज्यादा बड़ा दिखता है और स्टाइल में भी कमी ला देता है, लेकिन अपने पहनावे में कुछ छोटे मोटे बदलाव कर के, पतले और स्मार्ट दिख सकते हैं। जानिए, इसके लिए क्या करने की जरूरत है।

फिटिंग के कपड़े: यह सोचना छोड़ दें कि ढीले ढाले कपड़ों में आप मोटे नहीं दिखेंगे। ढीले कपड़े मोटापे को और उभारते हैं इसलिए अपनी फिटिंग के ही कपड़े पहनें।

सीधी लाइन वाली शर्ट: ज्यादा वजन वाले युवाओं को सीधी लाइन वाली शर्ट ही पहननी चाहिए। ऐसा करने से उनकी तरफ देखने वाले लोगों की नजर उन रेखाओं पर जाती है यानी ऊपर से नीचे न कि वजन यानी दाएं से बाएं। यह साबित भी हो चुका है कि इंसानी दिमाग पहले सीधी लंबी रेखाओं की तरफ ही जाता है।

शर्ट को टक इन न करें: कोशिश करें हर बार शर्ट या टीशर्ट को पैंट के अंदर टक इन कर के न चलें। टक इन कर ने पर आपका पेट निकला हुआ दिखेगा जो जाहिर है आप नहीं चाहते।

गाढ़े रंग के कपड़े: गाढ़े रंग के कपड़े आप पर ज्यादा फबेंगे। ये भी एक मनोवैज्ञानिक सिद्धांत है कि एक ऊपर से नीचे तक एक जैसा गाढ़ा रंग का कपड़ा पहनने वाला पतला दिखता है।

दाढ़ी और बाल: अपने बालों और दाढ़ी को इस तरह ही रखें जिससे आपका चेहरा लंबा दिखे। इससे आप भी पतले दिखेंगे। फ्रेंच स्टाइल दाढ़ी जो ठुड्डी की तरफ लंबी हो, आप पर जमेगी।

HEALTH

सिर्फ नमक का ज्यादा सेवन ही इस बीमारी के लिए जिम्मेदार नहीं

पोटैशियम के कम सेवन से भी हाई ब्लडप्रेशर

उच्च रक्तचाप के लिए ज्यादा नमक ही जिम्मेदार नहीं, बल्कि कम मात्रा में पोटैशियम का सेवन भी आपको इसका मरीज बना सकता है। एक नए शोध में यह खुलासा हुआ है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि आहार में अधिक पोटैशियम ग्रहण करने वाली किशोरियों में बाद में रक्त चाप कम पाया गया।

सोडियम की मात्रा कम करने पर बल देना जरूरी नहीं

बोस्टन विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ मेडिसिन के लीन मूरे ने कहा कि इसके विपरीत, रक्तचाप पर अकेले सोडियम का कोई प्रभाव नहीं दिखाई पड़ा, जिसके कारण वैश्विक स्तर पर बच्चों तथा किशोरों के आहार में सोडियम की मात्रा कम करने की जरूरत पर बल देने की जरूरत नहीं।

...तो नहीं पड़ता प्रतिकूल प्रभाव

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जो किशोरियां प्रतिदिन तीन हजार मिलीग्राम नमक का सेवन करती हैं, उनके रक्तचाप पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता, जबकि जो किशोरियां प्रतिदिन 2,400 मिलीग्राम या उससे अधिक पोटैशियम का सेवन करती हैं, तो बाद में उनका रक्त चाप कम होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) लोगों को दो हजार मिलीग्राम से अधिक सोडियम का सेवन नहीं करने की सलाह देता है। शोधकर्ताओं ने किशोरावस्था के अंत में आहार में सोडियम व पोटैशियम का रक्तचाप पर दीर्घावधि तक प्रभाव का अध्ययन किया।

आपसे कुछ चाहता है माइक्रोसॉफ्ट...

दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट जल्दी ही एंड्रॉयड के लिए ऑफिस प्रोडक्ट लॉन्च करने जा रही है। इससे आप माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, एक्सेल और पॉवरपॉइंट जैसे सॉफ्टवेयर अपने स्मार्टफोन और टैबलेट पर इस्तेमाल कर सकेंगे। माइक्रोसॉफ्ट चाहता है कि एंड्रॉयड इस्तेमाल करने वाले लोग उसके इस नए प्रोडक्ट की बीटा टेस्टिंग में उसकी मदद करें। ये बीटा टेस्टिंग वर्ड, एक्सेल, पॉवरपॉइंट, विसिओ, वन नोट, एक्सेस, पब्लिशर और आउटलुक के लिए होंगे।

क्या करना होगा ?

इसके लिए आपको माइक्रोसॉफ्ट के शेयरप्वाइंट वेबसाइट पर जाकर रेजिस्ट्रेशन करना होगा। ये बीटा टेस्टिंग आप होम या बिजनेस यूजर के लिहाज से कर सकते हैं। इसके बाद आपको कई तरह के एप्लीकेशन और सर्विस को समझने का भी मौका मिलेगा। बस एक बात का ध्यान रखना होगा। आपके ऑफिस 365 सॉफ्टवेयर में जो भी सॉफ्टवेयर हैं आप सिर्फ उन्हीं से जुड़े प्रोडक्ट्स के लिए रजिस्टर कर सकते हैं। इसकी फिलहाल कोई गारंटी नहीं है कि आपको ये मौका मिल ही जाएगा, पर अगर आप दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी की छोटी मदद कर सकते हैं तो आपके लिए ये बड़ी बात होगी।

माइक्रोसॉफ्ट को क्या फायदा

माइक्रोसॉफ्ट को इससे यह फायदा होगा कि उसे बीटा टेस्टिंग के जरिये लोगों की पसंद-नापसंद का पता चल जाएगा। डेस्कटॉप सॉफ्टवेयर के बाजार में माक्रोसॉफ्ट का 90 फीसदी से भी ज्यादा का हिस्सा है। पिछले दशक में माइक्रोसॉफ्ट ने मोबाइल फोन और स्मार्टफोन की क्रांति पर ध्यान नहीं दिया जिससे बाजार अब गूगल और एप्पल के नाम हो गया है, लेकिन अब मोबाइल सॉफ्टवेर के बाजार में भी माइक्रोसॉफ्ट अपना हिस्सा बढ़ाना चाहता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**